Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 79 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 07 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

तृष्णा, वासना के द्वारा डसा हुआ जीवन भव-भव में विषाक्तमय होता है।

Life stung by desire and lust become venomous per several body-forms to come.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

**सदस्यता अभियान के तहत रायपुर की उत्तर विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री**

## भाजपा के लिए देश पहले, जनता को परिवार मानकर काम करती है भाजपा : मुख्यमंत्री

### मुख्यमंत्री ने बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया

**रायपुर (विश्व परिवार)।** भारतीय जनता पार्टी के संगठन महापर्व सदस्यता अभियान की शुरुआत शुक्रवार को मतदान केंद्रों में हुई। शुक्रवार को मतदान केंद्रों में सदस्यता अभियान की शुरुआत करने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के खम्हारडीह मंडल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के जगदलपुर मंडल और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के माना कैम्प के टीटी कॉलोनी मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने नेताजी सुभाष चंद्र वार्ड के मतदान क्रमांक 94 में आयोजित सदस्यता अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश में संगठन के महापर्व की शुरुआत हो गई है। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। आज से बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह सदस्यता अभियान दो महीने तक चलेगा। इसके लिए पूरी रूपरेखा तैयार की गई है। सदस्यता अभियान जिला, मंडल और बूथ स्तर तक चलाया जाएगा। प्रदेश को 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है, जिसे हमें पूरा करना है। सभी कार्यकर्ताओं को इस लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग प्रदान करना है। श्री साय ने कहा कि भाजपा सिद्धांतवादी विचारधारा पर आधारित पार्टी है। इस पार्टी में जितना मान सम्मान कार्यकर्ताओं का है, उतना सम्मान किसी दूसरी पार्टी में नहीं है। भाजपा में गांव का एक साधारण व्यक्ति भी मुख्यमंत्री बन सकता है, एक चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री भाजपा ही बना सकती है। श्री साय ने कहा कि भाजपा सबसे पहले देश को मानती है, उसके बाद पार्टी को और उसके बाद परिवार को मानती है। भाजपा के आंतरिक लोकतंत्र है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मूलमंत्र है- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। इस मूलमंत्र को मानते हुए 140 करोड़ भारतवासियों को अपना परिवार मानते हुए वे सबके लिए काम कर रहे हैं। पूरी दुनिया में भारत देश का मान सम्मान श्री मोदी ने बढ़ाया है। श्री मोदी के नेतृत्व में देश एक बार फिर विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी पर विश्वास करते हुए यहां की जनता जनार्दन ने हमें सत्ता सौंपी और मोदी की गारंटी में जो वादे हमने किए थे, उनमें से अधिकांश वादों को हमने पूरा कर दिया है। मेरा बूथ सबसे मजबूत नारे को साकार करते हुए अपने पूरे बूथ में अधिक से अधिक लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलानी है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जिसे पिछले 5 वर्षों से भूपेश सरकार ने रोक रखा था, उसकी स्वीकृति भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दे दी है और राज्यांश की व्यवस्था भी हमने कर ली है।

**मुख्यमंत्री ने कहा- भाजपा ही एकमात्र ऐसा दल जिसमें एक चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री और एक गांव का साधारण व्यक्ति मुख्यमंत्री बन सकता है**

### माना कैम्प में संगठन महामंत्री ने किया अभियान का शुभारंभ

भाजपा के संगठन महापर्व भाजपा सदस्यता अभियान 2024 के तहत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के माना कैम्प के बूथ क्र.251, टीटी कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम का प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने शुभारंभ किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष, पार्षद, बूथ अध्यक्ष सहित अन्य मण्डल के पदाधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण की। रायपुर जिला उपाध्यक्ष श्यामाप्रसाद चक्रवर्ती, माना मंडल अध्यक्ष रवींद्रसिंह ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष माना कैम्प संजय यादव, पार्षदगण, बूथ अध्यक्षगण एवं बूथ कमेटी के सदस्यगण इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

## राहुल गांधी के विचारों से प्रभावित होकर राजेंद्र पाल गौतम कांग्रेस में हुए शामिल

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके राजेंद्र पाल गौतम ने शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया है। राजेंद्र पाल गौतम का कहना है कि वे राहुल गांधी के विचारों से प्रभावित होकर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में उन्हें कांग्रेस की सदस्यता दिलाई गई। इस दौरान केसी वेणुगोपाल ने कहा कि गौतम का कांग्रेस में शामिल होना गर्व की बात है। बता दें कि एक ओर हरियाणा में कांग्रेस और 'आप' के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है। वहीं, दूसरी ओर दिल्ली में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता कांग्रेस में शामिल हो गए।

## गुजरात में जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत, पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा- 'यह बेहद अहम पहल है'

**अहमदाबाद (विश्व परिवार)।** प्रधानमंत्री ने गुजरात में जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह बेहद अहम पहल है, जिसकी गुजरात की धरती से शुरुआत हो रही है। जल शक्ति मंत्रालय ने इस पहल की शुरुआत की है। हाल के दिनों में देश के हर कोने में भारी बारिश से तबाही जारी है।

देश को कोई हिस्सा ही शायद होगा, जिसने इस प्राकृतिक आपदा की वजह से संकट न झेला हो। इस बार गुजरात को भी भारी संकट का सामना करना पड़ा। हमारी सारी व्यवस्थाओं में भी इतनी क्षमता नहीं है कि इस प्राकृतिक आपदा की घड़ी में हमारी मदद कर सकें, लेकिन गुजरात के लोगों और अन्य देशवासियों में ये आदत है कि संकट की घड़ी में सभी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो जाते हैं।'

### जल संरक्षण मानवता के भविष्य का सवाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जल संरक्षण सिर्फ एक नीति नहीं है बल्कि यह एक प्रथा है। यह हमारी जिम्मेदारी भी है। जब भावी पीढ़ियां हमारा आकलन करेंगी तो हमारा जल के प्रति जो रवैया है, उसका भावी पीढ़ी सबसे पहले आकलन करेंगी। यह जीवन-मरण का सवाल है और यह मानवता के भविष्य का सवाल है। इसलिए हमने सतत विकास के लिए जिन नौ संकल्पों को सामने रखा है, उनमें जल संरक्षण पहला संकल्प है।

## कांग्रेस में शामिल हुए विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया; भाजपा पर जमकर साधा निशाना

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** पिछले कुछ दिनों से चल रही कयासबाजी को विराम देते हुए ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया ने राजनीति के अखाड़े में उतरते हुए शुक्रवार को कांग्रेस का हाथ थाम लिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने विनेश और बजरंग को पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा, आज का दिन बहुत बड़ा है। हम शुरू से ही पहलवानों के साथ रहे हैं और आगे भी रहेंगे। हमें इन दोनों ही पहलवानों पर गर्व है।

इससे कुछ देर पहले विनेश फोगाट ने रेलवे की नौकरी से इस्तीफा देने की जानकारी सोशल मीडिया पर दी थी। दोनों ओलंपियन का पार्टी में स्वागत करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, दोनों ही खिलाड़ियों ने देश का दिल जीता है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद विनेश फोगाट ने कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि मैं आज उस पार्टी में हूं, जो महिलाओं के साथ हमेशा रहती है। मैं मीडिया का भी धन्यवाद करना चाहूंगी कि वे हमारे साथ हमेशा रहे। हमारी आवाज को बुलंद करने में मीडिया ने अहम भूमिका निभाई।

## हरियाणा में चुनाव नहीं लड़ेगी सपा, अखिलेश ने सोशल मीडिया के जरिए दिए संकेत

**चंडीगढ़ (आरएनएस)।** हरियाणा विधानसभा चुनाव से समाजवादी पार्टी (सपा) ने किनारा कर लिया है। इसके संकेत सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विकास और सौहार्द की विरोधी भाजपा को हराने में 'इंडिया अलायंस' की जो भी पार्टी सक्षम होगी, हम उसके साथ अपने संगठन और समर्थकों की शक्ति को जोड़ देंगे। सपा प्रमुख का बयान ऐसे वक्त में आया है, जब हरियाणा में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप) और अन्य सहयोगी दलों से सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत चल रही है।

## शुभ खरीदारी के लिए बाजार तैयार, 11 दिन जबरदस्त रहेगा कारोबार

**चेंबर अध्यक्ष अमर परवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने बाजार का लिया जायजा**

**आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, रियल इस्टेट, सराफा के साथ ही गणेश मूर्तियां, पूजन सामग्री व सजावटी सामान की जबरदस्त बिक्री**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष- राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि शुभ खरीदारी के लिए प्रदेश भर में बाजार तैयार हो गए है और आटमोबाइल इलेक्ट्रानिक्स, सराफा के साथ ही बाजारों में गणेश मूर्तियां, पूजन सामग्री व सजावटी सामानों के दुकान सजकर तैयार हो गए हैं। आज गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ चेंबर के अध्यक्ष अमर पारवानी एवं चेम्बर प्रतिनिधि मंडल ने बाजार का जायजा लिया। अध्यक्ष पारवानी ने कहा कि इस वर्ष गणेश पक्ष में जबरदस्त कारोबार रहेगा।

अमर पारवानी ने कहा कि प्रदेश भर में गणेश चतुर्थी का त्यौहार बेहद उत्साह से मनाया जाता है। शनिवार को बप्पा घरों एवं पंडालों में विराजमान होंगे। 17 सितंबर तक यह महोत्सव चलेगा। सुख समृद्धि एवं वैभव के दाता गणेश जी की कृपा प्रदेश के व्यापार पर दिख रहा है। गणेश चतुर्थी के इस सुअवसर पर व्यापार जगत में बूम आया हुआ है। लोग बड़ी संख्या में आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक, ज्वेलरी, प्रापर्टी आदि में निवेश कर रहे है। बाजारों में गणपति जी की मूर्तियों के साथ पूजन सामग्री, सजावटी सामान इत्यादि सब मेड इन इंडिया है, जिसे लेकर लोग अब सजग हो रहे हैं। आज छोटे दुकानदार से लेकर बड़ा व्यापारी भी अपने व्यापार में व्यस्त चल रहा है। त्योहारी सीजन पर छूट और आफर्स दिए जा रहे हैं जो खरीदारों को आकर्षित कर रही है। दुकानों में भीड़ बढ़ रही है लोग टीवी, फ्रिज, बर्तन, कपड़े सहित आवश्यक वस्तुओं की खरीदी कर रहे हैं।

## निपुण भारत मिशन : मोबाइल लाइब्रेरी वेन का हुआ शुभारंभ

**पठन कौशल और पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने चल रहा है 'पठन अभियान'**

**रायपुर (विश्व परिवार)।** प्रदेश में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और रूम टु रीड के संयुक्त तत्वाधान में में 'पठन अभियान' के तहत 2 मोबाइल लाइब्रेरी वेन का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत एससीईआरटी के संचालक श्री राजेन्द्र कुमार कटारा द्वारा की गई। इस दौरान अपर संचालक श्री जे. पी. रथ और रूम टू रीड के राज्य प्रमुख श्री यशवर्धन उनियाल, एससीईआरटी के अधिकारी-कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस मोबाइल लाइब्रेरी का उद्देश्य बच्चों और समुदायों के बीच पठन कौशल को बढ़ावा देना है। लाइब्रेरी वेन 10 दिनों तक महासमुंद जिले के बागबहरा विकासखंड अंतर्गत 30 स्कूलों तथा संकुलों में बच्चों और समुदाय सदस्यों के समक्ष विभिन्न पठन गतिविधियों का आयोजन करेगी। इन गतिविधियों के माध्यम से स्कूली बच्चों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित किया जाएगा और उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत लक्षित समुदाय सदस्यों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

## छत्तीसगढ़ में तेजी से फैल रहा स्वाइन, 14 नए मरीजों की पुष्टि, अलर्ट मोड में स्वास्थ विभाग

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश भर में फिर से 14 नए स्वाइन फ्लू के मरीजों की पुष्टि हुई है। धीरे-धीरे स्वाइन फ्लू बढ़ता ही जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग बढ़ते स्वाइन फ्लू को लेकर सतर्क नज़र आ रही है। छत्तीसगढ़ की जनता को सलाह दी जा रही है कि वे सावधानी बरतें और गाइडलाइन का पालन करें। सिर्फ बिलासपुर जिले में 20 दिन में 144 मरीज मिले हैं। इनमें से सात की मौत हो चुकी है। गुरुवार को तीन नए मरीज की पहचान की गई है। साफ है कि लगातार स्वाइन फ्लू के मरीज मिल रहे हैं और जैसे-जैसे मरीज बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे वायरस भी मजबूत होता जा रहा है और संपर्क में आने वालों को संक्रमित कर रहा है। जानकारी ले मुताबिक प्रदेश में स्वाइन फ्लू से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 316 पॉजिटिव मरीज पाए गए हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया बुखार, खांसी, गले में खराश, ठंड लगना, कमजोरी और शरीर में दर्द शामिल हैं. अग्रिम मामलों में बच्चों को सांस की तकलीफ, निर्जलीकरण और चिड़चिड़ापन का अनुभव हो सकता है. बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को गंभीर संक्रमण का खतरा होता है।

जानकारी के मुताबिक वहीं, दुर्ग जिले में भी स्वाइन फ्लू की एंट्री हो चुकी है। अब तक यहां 4 लोगों की मौत हो चुकी है। तो वहीं 13 मरीजों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। एक महीने के भीतर स्वाइन फ्लू के 23 मरीज जिले में मिले हैं। नए केस सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट हो गया है।

रायपुर से 10, बीजापुर, धमतरी, महासमुंद और सारंगढ़ से एक-एक मरीज शामिल हैं। प्रदेश में स्वाइन फ्लू से अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 316 पॉजिटिव मरीज पाए गए हैं। फिलहाल, 112 मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं 13 मरीज घर से ही होम आइसोलेशन में इलाज करवा रहे हैं। प्रदेश हॉट स्पॉट बिलासपुर जिला बना हुआ है। बिलासपुर स्वाइन फ्लू के अब तक 108 मरीज मिल चुके हैं। वहीं रायपुर में 85, दुर्ग में 26, जांजगीर में 20, और कोरबा में 26 मरीज मिले हैं। सभी सक्रमित मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

## ...जब अभिभावक की तरह मिले खिलाड़ियों से केंद्रीय खेलमंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

**थैंक यू रक्षिता बिटिया**

आज मेरे लिए बड़ा ही भावुक क्षण था जब मैंने जाना की पेरिस ओलंपिक विलेज में भी खेल मंत्री के लिए कुछ लेकर जाना है ऐसा आपने ध्यान रखा और मेरे लिए पेरिस से मेस्कोट लेकर आई। थैंक यू रक्षिता बिटिया।

**दिल्ली (विश्व परिवार)।** देश के खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया खिलाड़ियों का निरंतर उत्साहवर्धन कर रहे हैं और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलने से लगातार देश-विदेश में नाम रोशन कर रहे है।

एक मसला ऐसा है जब केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया, उस दौरान वे खिलाड़ियों से अभिभावक की तरह मुलाकात की और बातचीत की। इस दौरान खिलाड़ी भी उत्साह से भर गए। दरअसल, कठोर निर्णय के लिए माने जाने वाले डॉ. मांडविया खिलाड़ियों के बीच भावुक हो जाते है और उनकी बातों को भी गंभीरता के साथ सुनते है। युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पेरिस 2024 पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत लौटे भारतीय पैरा-एथलेटिक्स दल के सदस्यों को सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान एथलीटों, कोचों और सहायक स्टाफ को सम्मानित किया। डॉ. मांडविया ने उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रशंसा और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे आज पैरालंपिक में पहली बार भाग लेने वाले छह एथलीटों से मिलकर बहुत खुशी हुई। मैं दीप्ति को इस सम्मान कार्यक्रम में पहली बार पदक जीतने के लिए बधाई देता हूं। बाकी सभी को, मैं भविष्य के पैरालंपिक के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं और मुझे विश्वास है कि आप भी पदक जीतेंगे। याद रखें, खेलना सिर्फ पदक जीतना भर नहीं है, आप में से प्रत्येक ने जीवन की चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है और विजेता के रूप में उभरे हैं। आप सभी भारत के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। वहां उपस्थित लोगों में एथलीट दीप्ति जीवनजी, जिन्होंने पैरालंपिक में अपने पदार्पण पर महिलाओं की 400 मीटर टी20 श्रेणी में कांस्य पदक जीता, और उनके साथ पदार्पण करने वाले साथी एथलीट रवि रोंगाली (पुरुषों का शॉटपुट एफ40), राक्षिता राजू (महिलाओं का 1500 मीटर टी11), कंचन लखानी (महिलाओं का डिस्कस थ्रो एफ53), साक्षी कसाना (महिलाओं का डिस्कस थ्रो एफ55), और मनु (पुरुषों का शॉटपुट एफ37), और उनके कोच राहुल बालकृष्ण, सुरेश कुमार कुरुबा, सुनील लखानी, और एस्कॉर्ट शामिल थे।

दीप्ति की प्रतिभा को हैदराबाद में साई कोच एन. रमेश ने पहचाना और दीप्ति ने 2019 में पैरा-एथलेटिक्स में अपनी यात्रा शुरू की। वह 2018 से खेलो इंडिया की एथलीट हैं और अब टॉप्स एथलीट हैं। कम समय में, उन्होंने कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की है, जिसमें एशियाई पैरा खेलों में स्वर्ण पदक और 2024 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक शामिल है, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ा। घरेलू स्तर पर, उन्होंने 2020 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में दो पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई।

## केंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू ने 9 अन्य हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा का उद्घाटन किया

**डिजी यात्रा सुविधा भुवनेश्वर, कोयंबटूर, डाबोलिम (गोवा), इंदौर, बागडोगरा, रांची, पटना, रायपुर और विशाखापत्तनम में शुरू की गई**

### डिजी यात्रा सक्षम हवाईअड्डों की कुल संख्या बढ़कर 24 हुई

**दिल्ली (विश्व परिवार)।** केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू ने आज विशाखापत्तनम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नौ हवाईअड्डों के लिए डिजी यात्रा सुविधा का उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के आठ अन्य हवाईअड्डों के लिए इस सुविधा को वर्चुअल माध्यम से शुरू किया। ये हवाईअड्डे हैं- कोयंबटूर, डाबोलिम, इंदौर, बागडोगरा, रांची, पटना, रायपुर और भुवनेश्वर हवाईअड्डा।

इस उद्घाटन समारोह के दौरान नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि किस तरह डिजी यात्रा हवाईअड्डे पर भीड़-भाड़ के दौरान विभिन्न दस्तावेजों- बोर्डिंग पास, पहचान पत्र और लगेज टैग आदि के प्रबंधन के मुश्किल कार्य को सरल बनाती है। एक यात्री के लिए हवाईअड्डे में प्रवेश का समय मैनुअल प्रक्रिया में लगने वाले औसत 15 सेकंड से घटकर 5 सेकंड रह गया है। 55 लाख से अधिक उपयोगकर्ता पहले ही इस एप को डाउनलोड कर चुके हैं और 3 करोड़ से अधिक यात्रियों ने यात्रा के लिए डिजी यात्रा का उपयोग किया है।

1 दिसंबर, 2022 को तीन हवाईअड्डों- नई दिल्ली, वाराणसी और बेंगलुरु पर पहली डिजी यात्रा सुविधा की शुरुआत के बाद डिजी यात्रा-सक्षम हवाईअड्डों की कुल संख्या 24 हो जाएगी। इनमें आज के नौ हवाईअड्डे शामिल हैं।

मंत्री ने डिजी यात्रा की शुरूआत के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, इसकी शुरूआत कोविड-19 महामारी के दौरान बहुत उचित समय पर हुई, जब शारीरिक संपर्क को न्यूनतम करने की जरूरत पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गई थी। डिजी यात्रा ने हवाईअड्डा स्थित प्रमुख जांच चौकियों पर संपर्क रहित और कागज रहित प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की है। अपनी शुरुआत के बाद से इस प्रणाली ने हवाईअड्डों पर हर दिन हजारों कागज की शीट बचाने में सहायता की है, जिससे नागरिक उड्डयन क्षेत्र में टिकाऊ विकास के हमारे व्यापक लक्ष्य को समर्थन मिला है।

श्री नायडू ने यात्रियों की डेटा सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, यहां तक ??कि लोकसभा में भी मैंने इस बात पर जोर दिया है कि डिजी यात्रा एक सुदृढ़ डेटा सुरक्षा की नींव पर निर्मित है। आज भी मैं यह साफ तौर पर कहना चाहूंगा कि यात्रियों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) का कोई केंद्रीय भंडारण नहीं है।

# स्वच्छता ही सेवा अभियान 14 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक, तैयारियों के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

**बलौदाबाजार ( विश्व परिवार )।** स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा अभियान 14 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान की रूप-रेखा एवं तैयारियों के संबंध में कलेक्टर दीपक सोनी ने बैठक ली। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हम स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस उपलक्ष्य में 14 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान मनाया जायेगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती पर 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस मनाया जायेगा। उन्होंने इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने और स्वच्छता ही सेवा अभियान का प्रचार प्रसार एवं समुदायों की भागीदारी के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सफाई अभियान केवल औपचारिक ही नहीं बल्कि वास्तविक रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रत्येक दिवस सवच्छता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होना चाहिए। जिसके तहत स्वच्छता दौड़, टार्च व मषाल रैली, संगीत कार्यक्रम, जनप्रतिनिधियों एवं स्वच्छता की दिषा में कार्य करने वाले एन.जी.ओ. की भागीदारी, चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता, स्वच्छता शपथ, विभिन्न प्रकार के बैंड के माध्यम से स्वच्छता संदेष, शहर में ब्लैक स्पॉट चिन्हांकित कर तत्काल सफाई करवाना एवं किसी समूह या इच्छुक व्यक्ति को उस स्थल को स्वच्छ रखने गोद लेने प्रोत्साहित करने का संदेष दिया गया। इसके अतिरिक्त कबाड़ा से जुगाड़ एवं नवप्रवर्तनकारी उपाय कर स्वच्छता की दिशा में कार्य करने जिले के सभी नगरीय निकाय प्रमुखों को निर्देश दिये है। गौरतलब है कि इस वर्ष स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता के तहत तीन श्रेणीयों में विभाजित किया गया है। जिसमें स्वच्छता की भागीदारी-जन भागीदारी अंतर्गत प्लांटेशन ड्राइव शैक्षणिक भ्रमण जीरो वेस्ट इवेंट का आयोजन, स्वच्छता रन (रैली), साइक्लोथॉन एवं मैराथॉन का आयोजन, स्वच्छतम वॉर्ड प्रतियोगिता, स्कूलों में स्वच्छता संबंधित निबंध प्रतियोगिता चित्रकला प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, वॉल ब्यूटी फिकेशन, स्वच्छता शपथ, मानव श्रृंखला, नुक्कड़ नाटक, वेस्ट टू आर्ट आदि का आयोजन कराया जाना शामिल है। इसी तरह स्वच्छता लक्षित इकाई- सम्पूर्ण स्वच्छता के अंतर्गत शहर के सार्वजनिक स्थानों को श्रमदान कर सफ़ाई करने हेतु बड़ा सफाई अभियान चलाया जाता है जिसमे जनप्रतिनिधी छात्र-छात्राएं, रहवासी, संघ, एनजीओ सम्मिलित होकर बड़ी सफाई अभियान चलाया जाना शामिल है।



---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14214/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14214**
**वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227R0602A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. BINDIA GOYAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **MR. PRADEEP KUMAR GOYAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRADEEP KUMAR AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **REKHRAJ AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14212/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14212**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331F00091** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SAUNIL KUMAR SHINGWEKAR MUKESH, MANOHAR SHINGWEKAR S/O LATE MANOHAR DAMODAR SHINGWEKAR, SMT. SMITA DESHPANDE W/O LATE KIRAN DESHPANDE** पिता/पति श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SUMAN PRAJAPATI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHRI RAMAVATAR PRAJAPATI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14171/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14171**
**वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227I00136** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **OMPRAKASH VIRANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHRICHAND VIRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARITA VIRANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **OM PRAKASH VIRANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14135/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14135**
**वार्ड का नाम-48- मदर टेरेसा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443E00107** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUSHILA BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SHYAM RAO JOSHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHASHI JOSHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **OM PRAKASH JOSHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथपत्र सहमति पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14123/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14123**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331C00177** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRADEEP KUMAR BAIS** पिता/पति श्री/श्रीमती **BHISHAM LAL BAIS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LOMENDRA KUMAR BAIS** पिता/पति श्री/श्रीमती **SW. ANIL KUMAR BAIS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14122/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14122**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331C00176** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHISHAM LAL BAIS** पिता/पति श्री/श्रीमती **GOPAL DAS BAIS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LOMENDRA KUMAR BAIS** पिता/पति श्री/श्रीमती **SW. ANIL KUMAR BAIS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14082/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14082**
**वार्ड का नाम-48- मदर टेरेसा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 48 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR443F00040** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ KUMAR JAISINGHANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARIRAM JAISINGHANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHAKUNTALA TIWARI 2. AVAN TIWARI** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. SURESH KUMAR TIWARI 2. SURESH KUMAR TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14081/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14081**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H00176** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. KAVITA SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **GOPAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. TWINKLE CHANDANI 2 VIPUL MANDHANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. VIPUL MANDHANI 2 JAI PRAKASH MANDHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14079/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14079**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H0176A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAVITA SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **GOPAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. TWINKLE CHANDANI 2 VIPUL MANDHANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. VIPUL MANDHANI 2 JAI PRAKASH MANDHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14078/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14078**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331D00177** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. PRABHAWATY KULKARNI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. G.S. KULKARNI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JAYWANT KULKARNI** पिता/पति श्री/श्रीमती **SW. G.S. KULKARNI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14077/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14077**
**वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225E00331** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEEMA JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **MAHENDRA JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. MUKESH AGRAWAL 2. SHIV SHANKAR AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. RADHESHYAM AGRAWAL 2. RADHESHYAM AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14076/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14076**
**वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225F00221** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. RANI VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **MR. GANESH VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANJAY SHARMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **SW. CHANDRIKA PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 ) नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14072/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14072**
**वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225A0361A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GURUPREET KAUR** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. AMARJEET SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **B. MANISH** पिता/पति श्री/श्रीमती **SW. SHRI B. BALAIYYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14007/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14007**
**वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H0012** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KEWAL KUMAR JADWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARIRAM JADWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. JEET POPTANI 2. JAISHREE JADWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **1 RAJ KUMAR POPTANI 2. JEET POPTANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14000/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14000**
**वार्ड का नाम-10-रानी लक्ष्मी बाई वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227N00602** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. BHURI BAI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. SUKALU BAGHEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AJAY KUMAR GAIKWAD** पिता/पति श्री/श्रीमती **KUNWAR LAL GAIKWAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्री नामा एवं शपथ पत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)**
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./13999/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 13999**
**वार्ड का नाम-10-रानी लक्ष्मी बाई वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227N00118** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOK DEWANGAN** पिता/पति श्री/श्रीमती **GHASIYA RAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. MOHAMMAD JAMIL 2. MOHAMMAD RAFIQ** पिता/पति श्री/श्रीमती **MOHAMMAD AYYUB** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्री जसदेव सिंह बाबरा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रं.- ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-5)**
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
E-mail ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./14376/ न.पा.नि./जोन क्र.-5/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14376**
**वार्ड का नाम-67- भक्तमाता कर्मा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR663IUH039** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S UNITEK BUILDERS PARTNER DWARA VIJAY NATTHANI AND OTHER** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ARUNA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N.K. TIWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-5**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-5)**
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
E-mail ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./14377/ न.पा.नि./जोन क्र.-5/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14377**
**वार्ड का नाम-67- भक्तमाता कर्मा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR663HVC113** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S STAR VALLY BUILDERS INDIA PVT. LTD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DIR. LOKENDRA PAWAR S/O B.L. PAWAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHA YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJENDRA YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-5**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-5)**
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
E-mail ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./14375/ न.पा.नि./जोन क्र.-5/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14375**
**वार्ड का नाम-67- भक्तमाता कर्मा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR567D00597** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VINAY KUMAR GHEVARIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. ANANT LAL GHEVARIYA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NAJUL GIRDHAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAY NARAYAN AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-5**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-5)**
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
E-mail ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./14374/ न.पा.नि./जोन क्र.-5/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14374**
**वार्ड का नाम-67- भक्तमाता कर्मा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR567D0015A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RADHIKA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMPRASAD DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RISHI KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJU LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-5**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-5)**
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
E-mail ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./14378/ न.पा.नि./जोन क्र.-5/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14378**
**वार्ड का नाम-66- वामन राव लाखे वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR566E00516** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **YASHWANT RAO MAHADIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SEWAK RAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHAIL MAHADIK 2. SUNIL MAHADIK 3. SANDHYA MAHADIK 4. MAYA MAHADIK 5 MAMTA MAHADIK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. YASHWANT RAO MAHADIK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-5**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-5)**
ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
E-mail ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./14379/ न.पा.नि./जोन क्र.-5/2024
रायपुर, दिनांक 06-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14379**
**वार्ड का नाम-66- वामन राव लाखे वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR664G0302A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MOAHAN LAL THAWRANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. BHAROMAL THAWRANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **TEENU DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **THANSINGH DEWANGAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-5**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)**
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./14304/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 05-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 14304**
**वार्ड का नाम-47-सिविल लाईन वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR342F00791** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SOMYA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARENDRA AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **हर्षल गोयल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **जितेन्द्र गोयल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-4**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)**
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./13782/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 09-09-2024

## इश्तिहार

**नामांतरण प्र.क्र. 13782**
**वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758B0168B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHANDRIKA PRASAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHHABI RAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेश कुमार मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **चन्द्रिका प्रसाद मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**( जोन कमिश्नर )**
**जोन क्रमांक-4**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 07 सितंबर 2024



# चिरायु टीम ने स्कूल आंगनबाड़ी का विजिट कर बच्चों का किया जा रहा स्वास्थ्य परीक्षण

## 05 एवं 07 सितंबर को चिरायु टीम विभिन्न स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों में देंगे अपनी सेवाएं

**अभिभावकों से अपने बच्चों को 05 व 07 सितंबर को स्कूल व आंगनबाड़ी भेजने का किया गया आग्रह**

**कोरबा(विश्व परिवार)।** चिरायु योजना (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों में जन्मजात हृदय रोग, मोतियाबिन्द, कटे-फटे होठ, टेढ़े-मेड़े हाथ पैर सहित 44 गंभीर बिमारियों के इलाज शासन द्वारा कराया जाता है। कोरबा जिले में चिरायु की 12 टीमें कार्य कर रही है। जिनके द्वारा जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों और स्कूल में जाकर अध्ययनरत बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है एवं गंभीर बिमारियों से ग्रसित बच्चों का नि:शुल्क इलाज किया जाता है।स्वास्थ्य विभाग का चिरायु दल बच्चों की स्क्रीनिग कर शासन को रिपोर्ट भेजते है। समय रहते उपचार से मरीज की स्थिती और अधिक नहीं बिगड़ती और साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को इलाज और जॉच में अधिक व्यय नहीं करना पड़ता है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत एवं सीएमएचओ डॉ.एस.एन.केशरी ने उपरोक्त बीमारियो से ग्रसितबच्चों के अभिभावकों से अपील किए है कि वे अपने बच्चों को दिनांक 05 एवं 07 सितंबर 2024 को स्कूल एवं आँगबाड़ी केन्द्र अवश्य भेजें जिससे उनकी जाँच कीजा सके। विकासखण्ड कटघोरा में निर्धारित चिरायु की पहली टीम द्वारा 05 सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्र बादलभाठा, चैनपुर, तथा बरकुटा एवं 07 सितंबर को माध्यमिक षाला गोपालपुर का विजिट कर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। इसी प्रकार विकासखण्ड की चिरायु की दूसरी टीम द्वारा 05 सितंबर को आंगनबाड़ी केंद्र सलिहाभाठा, प्राथमिक षाला सलिहापारा, प्राथमिक षाला जोंधरीबारी व आंगनबाड़ी केंद्र जोंधरीबारी में अपनी सेवाएं देंगे एवं 07 सिंतबर को चिरायु डे निर्धारित है। कोरबा विकासखण्ड में चिरायु की पहली टीम द्वारा 05 सितंबर को प्राथमिक षाला घोटमार, बैगामार एवं 07 सितंबर को प्राथमिक षाला रजगामार, चिरायु की दूसरी टीम द्वारा प्राथमिक षाला परसाभाठा एवं माध्यमिक षाला पाड़ीमार बाल्को व प्राथमिक षाला इमलीडुग्गु, चिरायु की तीसरी टीम द्वारा प्राथमिक षाला खड़िया गोढ़ी, ज्ञानज्योति स्कूल कोरबा पहुंच कर देंगे अपनी सेवाएं।

## एसडीएम सुश्री नम्रता चौबे ने ग्राम कोकड़ी में गिरदावरी कार्य का निरीक्षण किया

**महासमुंद(विश्व परिवार)।** सरायपाली अनुविभाग की राजस्व अधिकारी (आईएएस) सुश्री नम्रता चौबे ने आज ग्राम कोकड़ी में गिरदावरी कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गिरदावरी की प्रक्रिया को नजदीक से देखा और त्रुटिरहित कार्य सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।सुश्री चौबे ने कहा कि गिरदावरी फसलों की जानकारी एकत्रित करने का एक महत्वपूर्ण कार्य है जिसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि से किसानों और राजस्व विभाग के बीच गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को सटीक और समय पर जानकारी दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक खेत की सही जानकारी, फसल की स्थिति और कृषि भूमि के वास्तविक उपयोग को रिकॉर्ड करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भविष्य में कोई विवाद या समस्या न हो। उन्होनें मौके पर उपस्थित पटवारियों से विस्तार से चर्चा की और उन्हें आधुनिक तकनीक का उपयोग करके डेटा एकत्रित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि सही गिरदावरी से किसानों को सरकारी योजनाओं और लाभों का सही लाभ मिल सकेगा।

# छत्तीसगढ़ी फिल्मी दुनिया को है विष्णु देव साय सरकार से काफी उम्मीदें : रजनीश झांझी

**कोरबा(विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ के जाने-माने फिल्म कलाकार रजनीश झांझी को विष्णु देव साय सरकार से छत्तीसगढ़ी फिल्मों के लिए बेहतर कार्य किये जाने की उम्मीद है। वह मंगलवार को अपनी नई छत्तीसगढ़ी फिल्म तहि मोर आशिकी के प्रमोशन के लिए कोरबा आये हुए थे। फिल्म के प्रोड्यूसर गुलशन बघेल और शुभम गुप्ता के साथ पूरी यूनिट ने कोरबा में फिल्म का व्यापक प्रचार प्रसार किया। इसी मौके पर छत्तीसगढ़ी सहित हिंदी और भोजपुरी फिल्मों के कलाकार रजनीश झांझी ने मीडिया से भी बातचीत की। उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग को तेजी से आगे बढता हुआ बताया। साथ ही कहा कि छत्तीसगढ़ी फिल्म उद्योग अब तकनीकी के क्षेत्र में काफी हद तक आत्म निर्भर हो चुका है। लेकिन संसाधनों की कमी से भी जूझ रहा है, जिसे दूर करने की अपेक्षा सभी कलाकार राज्य शासन से रखते हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि काफी लंबे संघर्ष के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमनसिंह के तीसरे कार्यकाल के अंतिम दिनों में छत्तीसगढ़ी फिल्म विकास निगम का गठन किया गया था। किन्तु कुछ ही माह बाद हुए चुनाव में सत्ता परिवर्तन हो गया। नई सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अब नई सरकार से उन्हें और सभी कलाकारों को बड़ी आशा है। उन्होंने कहा कि अब हमारे साथी कलाकार, छत्तीसगढ़ी फिल्मों के पहले सुपर स्टार अनुज शर्मा भी विधानसभा में पहुंच गए हैं। उन्होंने इस दिशा में सकारात्मक पहल का भरोसा दिया है। रजनीश झांझी ने कहा कि प्रदेश में तहसील और जिला स्तर पर संसाधनों का विकास किया जाना चाहिए। इससे फिल्म निर्माताओं को तो सुविधा होगी है, साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश मेंसिनेम का स्क्रीन बढ़ाने के लिए भी राज्य शासन को कोई योजना बनाना चाहिए। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी फिल्मों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से सब सीडी भी दिया जाना चाहिए।

# महासमुंद जिले में हुई स्वाइन फ्लू की एंट्री सात मरीज मिले, एक ने तोड़ा दम

**महासमुंद(विश्व परिवार)।** कोरोना महामारी के सदमे से लोग अभी पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं कि अब स्वाइल फ्लू की जिले में एंट्री हो गई है। महासमुंद जिले में स्वाइन फ्लू के सात केस सामने आए हैं। इन केसों में एक व्यक्ति की स्वाइन फ्लू से मौत भी हो गई है। बुधवार सुबह रायपुर के निजी अस्पताल में बसना के 59 वर्षीय एक व्यक्ति की स्वाइन फ्लू के चलते मौत हुई है। जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर ने इसकी पुष्टि की है।डॉ. छत्रपाल ने बताया है कि जिले में स्वाइन फ्लू के सात मरीज पाए गए हैं, जिनमें से चार मरीज स्वस्थ हो चुके हैं तो वहीं महासमुंद के एक मरीज का होम आइसोलेशन में इलाज जारी है। बसना के एक और मरीज का रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक व्यक्ति ने आज सुबह रायपुर के निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया है। पॉजिटिव मरीजों की कांटेक्ट ट्रेसिंग की जा रही है।हालांकि राहत की बात यह है कि जो व्यक्ति स्वाइन फ्लू पॉजीटिव पाए गए हैं उनके कांटेक्ट में आने वाले अन्य कोई भी व्यक्ति, स्वाइन फ्लू के लक्षण में नहीं है। उन्होंने बताया कि कोरोना की तरह स्वाइन फ्लू के भी लक्षण सर्दी-खांसी-बुखार और बदन दर्द जैसे होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू का इलाज संभव है। समय रहते टेस्ट के साथ डॉक्टरी परामर्श लेते हुए दवा ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग जिले में स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट मोड पर है। हर ब्लॉक में ऐसे लक्षण पाए जाने पर तत्काल टेस्ट कराया जा रहा है। महासमुंद मेडिकल कॉलेज में स्पेशल वार्ड के साथ आईसीयू सेंटर भी बनाया गया है।

# सर्पदंश के मामलों में विशेष सर्तकता रखें जनसामान्य-सीएमएचओ

**झाड़-फूंक या जड़ी बूटी दवाओं में न करें यकीन, स्वास्थ्य केन्द्र में कराएं त्वरित ईलाज**

**रायगढ(विश्व परिवार)।** सीएमएचओ डॉ.बी.के.चंद्रवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि बरसात के मौसम में सर्पदंश के प्रकरण अधिकांश पाये जाते है जिसमें सर्पदंश को लेकर अक्सर लोग जड़ी बूटी या झाड़ फूंक में ज्यादा यकीन रखते है और ऐलोपैथिक इलाज करने से कतराते है जिससे समय पर उचित इलाज न मिलने से जीवित रहने की उम्मीद कम हो जाती है। सर्वाधिक मामले विकासखंड लैलूंगा और धरमजयगढ़ में आते हैं और यहां के लोग ज्यादातर झाडफूंक के चक्कर में समय व्यतीत करते है। इसे ध्यान में रखते हुए समस्त खंड चिकित्सा अधिकारियों ने अपने अधीनस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त चिकित्सको को सर्पदंश के इलाज हेतु एन्टी स्नेक वेनम एवं अन्य जरूरी संपूर्ण व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिये है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग एवं मितानिन के माध्यम से विकासखंड में प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है। सर्पदंश के मामलों में विशेष सर्तकता रखते हुए यदि किसी व्यक्ति को सर्पदंश हुआ है तुरंत ही स्वास्थ्य केंद्र में इलाज हेतु जाए, देर होने पर शरीर में जहर फैलने लग जाता है जिससे गंभीर स्थिति निर्मित होती है। साथ ही झाड़-फूंक में समय व्यतीत न करें और समय रहते अपना इलाज कराकर जीवन बचायें।

# कलेक्टर लंगेह ने ली निर्माण एजेंसियों की बैठक

**निर्माण कार्या में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा**

**महासमुंद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर स्वीकृति, प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई, जल संसाधन, आदिवासी विकास विभाग, शिक्षा विभाग, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना, जिला खनिज न्यास से संपादित होने वाले पूर्व एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष के समस्त स्वीकृत कार्यों के प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री एस. आलोक एवं निर्माण एजेंसियों के कार्यपालन अभियंता और उप अभियंता सहित जिला अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि स्कूल जतन योजना के तहत विभिन्न मदों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उन्होंने समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को अध्ययन के लिए जितने बेहतर सुविधा हो सकती है, उन्हें उपलब्ध कराएं। इसके तहत छोटे-छोटे विभिन्न कार्य जैसे दीवार निर्माण, फर्श निर्माण और अन्य कार्य स्वीकृत किए गए हैं, उन्हें तत्काल पूरा करें, इन सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करें। इसके अलावा विद्यालयों में रिनोवेशन से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्यों को उनके प्राक्कलन तत्काल तैयार कर जिला कार्यालय को प्रेषित करें। सभी निर्माण कार्यों का थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन भी कराएं। उन्होंने आरईएस विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि जो कार्य प्रारम्भ हो गए हैं, उसे समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। जो ठेकेदार स्वीकृति पश्चात कार्य में रूचि नहीं ले रहे हैं उन्हें ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई प्रारम्भ करें। आरईएस के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि विभाग द्वारा 273 कार्य स्वीकृत किए गए है जिसमें से 128 कार्य पूर्ण हो गए है। 18 कार्य अप्रारम्भ है। कलेक्टर ने समग्र शिक्षा और पीएम श्री के स्कूलों के उन्नयन कार्य भी शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जल संसाधन विभाग के समीक्षा के दौरान बताया गया कि 19 कार्य पूर्ण हो गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में भूमि अर्जन के लिए अवार्ड पारित हो चुका है उसके रिकॉर्ड दुरुस्त करें यह संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। इसी तरह पीडब्ल्यूडी के समीक्षा के दौरान कहा कि कोई भी कार्य हैंडओवर करने से पहले यह आवश्यक रूप से चेक कर लेवे कि निर्माण कार्यों में किसी तरह की दरार और सिपेज न आए।

# पहाड़ी कोरवा ममता की जिंदगी में थी उलझनों की मोड़,कलेक्टर ने शिक्षा से दिया नाता जोड़

**घर जाकर एक शिक्षक की तरह पढ़ाया ऐसा पाठ कि अब विद्यार्थियों को पढ़ा रही किताब**

**कलेक्टर पी दयानंद की प्रेरणा ने बदल दी पहाड़ी कोरवा ममता की जिंदगी**

**कोरबा(विश्व परिवार)।** तब गांव आंछीमार के पहाड़ी कोरवा मंगल सिंह घर पर नहीं थे। उनकी बेटी ममता कोरवा शायद स्कूल जाने के लिए झटपट तैयार हो रही थी। अचानक से ममता तक खबर आई कि उनके घर के बाहर कोरबा के कलेक्टर आए हैं। वह अपनी जूती भी नहीं पहन पाई थी और सफेद मोजे पहने हुए स्कूल ड्रेस में भागती हुई बाहर आई। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि पहाड़ी कोरवाओं की इस छोटी सी बस्ती और तंग गली में कभी मोटर सायकल भी नहीं आता-जाता, उस गली से होकर उनके द्वार तक कलेक्टर की गाड़ी और स्वयं कलेक्टर आए हैं। ममता की खुशी का ठिकाना नहीं था। कलेक्टर ने जब उनसे पूछा...कौन से क्लास में हो...नाम क्या है ? मैं कोरबा कलेक्टर पी दयानन्द हूं...तो सबसे पहले ममता ने मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया और नाम बताते हुए कहा...तो सर आप ही कलेक्टर..है.! कलेक्टर से हाथ मिलाते ही उलझनों के मोड़ में उलझी ममता को कलेक्टर पी दयानंद से ऐसा ज्ञान और प्रोत्साहन मिला कि एक दिन उसकी जिंदगी बदल गई। आठ साल पहले स्कूल खुलने के दिन यानी एक जुलाई को ग्राम आंछीमार की पहाड़ी कोरवा ममता तब कक्षा दसवीं पास करके कक्षा 11वीं में ही पहुंची थीं। तब वह बहुत असमंजस में थी कि 11 वीं में कौन सा विषय लिया जाए, जो विषय ली है, वह ठीक है या नहीं.. ? उसके समाज में कोई ऐसा परिचित भी उन्हें नहीं मिल रहा था कि वह उससे पूछ सकें...। विषय चयन सहित आगे की पढ़ाई को लेकर एक मोड़ पर उलझी ममता के लिए अचानक से कलेक्टर का घर आना उनके भविष्य के लिए एक नया रास्ता था। कलेक्टर पी दयानंद ने तब उन्हें एक शिक्षक की तरह समझाते हुए बायोलॉजी सब्जेक्ट चयन करने और इससे बनने वाले कैरियर के विषय में बताते हुए एकाग्रता के साथ मन लगाकर पढ़ाई करने तथा पहाड़ी कोरवा समाज की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनने की बात कही। पहाड़ी कोरवा ममता के लिए यहीं एक ऐसा मोड़ था जिससे उनकी उलझने दूर हुई और ममता की जिंदगी बदल गई। कलेक्टर की बातों को गांठ बांधकर पूरा ध्यान पढ़ाई में लगाया और बायोलॉजी से पहले 11वीं और 12वीं पास करने के बाद बीएससी, डीसीए, एमए की पढ़ाई पूरी की। किसी शिक्षक के रूप में एक कलेक्टर से मिले ज्ञान और अपनी पढ़ाई की बदौलत ममता ने आखिरकार कामयाबी हासिल की। अब वह शिक्षिका बन गई है और प्रभारी प्रधानपाठक का दायित्व सम्हालने के साथ ही ग्रामीण विद्यार्थियों को ज्ञान की किताब पढ़ा रही है। कोरबा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम आंछीमार की पहाड़ी कोरवा ममता शिक्षिका के रूप में प्राथमिक शाला चीतापाली में पढ़ाती है।

## संक्षिप्त समाचार

### बीएमएस ने बगदेवा खान परिसर में की बैठक

**कोरबा(विश्व परिवार)।** अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ के आह्वान पर 17 सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन, बिलासपुर, कोरबा क्षेत्र के बगदेवा खान परिसर में एक बैठक के माध्यम से कर्मचारियों के बीच जन जागरण का कार्यक्रम किया। बैठक में पदाधिकारी द्वारा कर्मचारियों को बताया गया की कोल इंडिया स्तर पर कर्मचारियों के बीच प्रबंधन वर्ग किस प्रकार से स्थाई, ठेका एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अधिकारों का हनन कर रही है। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से टिकेश्वर सिंह राठौर अध्यक्ष अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ, अशोक कुमार सूर्यवंशी महामंत्री भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन, हिरण कुमार चंद्रा उपाध्यक्ष दिनेश कुमार कुंभकार, क्षेत्रीय सुरक्षा समिति सदस्य कोरबा क्षेत्र के अलावा बगदेवा इकाई के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### चार डॉक्टरों को अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी

**बिलासपुर(विश्व परिवार)।** रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) से नदारद चार डॉक्टरों को ष्टरूाह्व ने नोटिस जारी किया है. जांच के दौरान बीते 31 अगस्त को रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चार डॉक्टर अनुपस्थित थे. जबकि रतनपुर क्षेत्र में इन दिनों मलेरिया, डायरिया का प्रकोप फैला है. बताया जा रहा है कि मामले की शिकायत आला अधिकारियों तक पहुंच गई है. रतनपुर क्षेत्र में मलेरिया और डायरिया का प्रकोप है. बड़ी संख्या में पीड़ित इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच रहे हैं. शिकायत पर जांच करने टीम पहुंची तब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चार डॉक्टर अपनी ड्यूटी से नदारत थे. सीएमएचओ ने उन्हें बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉक्टर शीला शाहा, डॉ नेहल झा, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ एम एल कोराम, एनेस्थीसिया निधि कोराम शामिल हैं. स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही पर कड़ा एतराज जताया है. लोगों को कहना है कि रतनपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला सही तरह से काम नहीं कर रहा, जिसके चलते यहां लगातार मलेरिया और डायरिया से मौतें हो रही हैं.

### प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ एक गिरफ्तार

**कोरबा(विश्व परिवार)।** कोरबा पुलिस ने नशीले दवा का कारोबार करने वाले आरोपियों को पकड़ा। शहर में इन दिनों बढ़ रही नशे का बाजार फल-फूल रहा है। अनेक कार्यवाही करने के बाद भी, पुलिस द्वारा आए दिन नशे के व्यापारी पकड़े जा रहे हैं फिर भी शरण कौन देता है यह पुलिस महकमा भी सकते में है। पुलिस भी अपनी साख बचाने धर-पकड़ की कार्यवाही जोरों से कर रही है, इसी बीच नशे के टेबलेट की कई मात्राएं लेकर बेचने के फिराक में घुम रहे महेश कुर्रे पिता हेतराम कुर्रे उम्र-31 वर्ष को कोतवाली पुलिस ने पकड़ा। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी अपनी टीम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान एवं नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के साथ मिलकर अवैध करोबार पर शिकंजा कसने हेतु सर्व थाना /चौकी प्रभारीगण को प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया है। उक्त प्राप्त आदेश के परिपालन में क्षेत्र में मुखबीर को सक्रिय किया गया। बुधवार 4 सितंबर को मुखबीर से माध्यम से सूचना मिली कि एक तस्कर सुनालिया पुल की ओर से भारी मात्रा में नशीली दवाई लेकर शारदा विहार की ओर बिकी करने के लिए आने वाला है। सूचना मिलते हैं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य पुलिस कर्मी आरोपी महेश कुर्रे के कब्जे को धर दबोचा। आरोपी के कब्जे से 170 नग अल्प्राजोलाम टेबलेट एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर धारा 21 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत् गिरफ्तार किया।

### डिप्टी सीएम काफिले के वाहन से टकराने पर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

**बिलासपुर(विश्व परिवार)।** डिप्टी सीएम अरुण साव के काफ्लि में शामिल एक वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. यह हादसा उस समय हुआ जब उप मुख्यमंत्री अरुण साव बिलासपुर से लोरमी जा रहे थे, तभी जुनापारा के पास काफ्लि के एक वाहन का टायर फट गया. टायर फटने से कार अनियंत्रित हो गई और बाइक सवार को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में बाइक सवार घायल युवक की पहचान सूरज के रूप में हुई है, जो भौंराकछार गांव का निवासी है. वह बुरी तरह से घायल हो गया है. बताया जा रहा है कि युवक का पैर टूट गया है. हादसे के बाद घायल युवक को तुरंत मुंगेली जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां उसका इलाज जारी है.

दैनिक
# विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 07 सितंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com



## संपादकीय

# सर्वसुलभ इंसाफ की उम्मीद को पंख लगे...

**ललित गर्ग**

सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यह सुखद, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर ही है कि देश के सर्वच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।'सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, उसे देश की पूरी न्याय व्यवस्था के लिए अलार्म बेल माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि जब तक न्यायपालिका देश के आम लोगों को सहजता से इंसाफ तक पहुंचने का रास्ता मुहैया नहीं कराती, तब तक उसका काम पूरा नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। अदालतों से न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी खर्चीली है और इसमें बेहिसाब वक्त लगता है। इन दोनों ही का नतीजा इसी रूप में सामने आता है कि इंसाफ की आस लेकर अदालत पहुंचा व्यक्ति फैसला आने तक टूट चुका होता है। इसीलिये राष्ट्रपति ने ठीक ही कहा कि किसी गंभीर अपराध से जुड़े मामले का फैसला आने में 32 साल लग जाए तो लोगों को ऐसा लगना अस्वाभाविक नहीं कि शायद अदालतें ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। राष्ट्रपति ने किसी खास मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनका इशारा अजमेर में पॉक्सो अदालत द्वारा इसी 20 अगस्त को सुनाए गए फैसले की तरफ था। एक चर्चित सेक्स स्कैंडल से जुड़े इस मामले में छह लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाने में 32 साल लग गए। यह अपनी तरह का कोई इकलौता मामला नहीं है। बेहद गंभीर और वीभत्स अपराध के सैकड़ों ऐसे मामले हैं, जो अदालतों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती पर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? प्रश्न यह भी है उन्हें समय पर त्वरित न्याय कब मिल सकेगा? दुर्भाग्य से ये प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है। न्याय के इंतजार में कई-कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज एवं चुनौतीपूर्ण स्थिति है। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगभग 80 हजार है। उच्च न्यायालयों में इनकी संख्या 62 लाख के करीब है और निचली अदालतों में करीब साढ़े चार करोड़। इसका अर्थ है कि लगभग पांच करोड़ लोग न्याय के लिए प्रतीक्षारत हैं। देश में तीनों स्तरों पर लंबित मामले न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। आजादी के अमृत महोत्सव की चौखट पार कर चुके देश की इस त्रासद न्याय व्यवस्था के बाबत देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक किसी भी मामले के निपटारे के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की संख्या तय होनी ही चाहिए। जैसाकि अमेरिका में किसी भी मामले के लिये तीन वर्ष की अवधि निश्चित है। लेकिन भारत में मामले 20-30 साल चलना साधारण बात है।

## महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर राष्ट्र की चिंता

राष्ट्रपति को राष्ट्रीय विवेक का प्रतिनिधि समझा जाता है। इसलिए दलगत सोच से उठ कर इस पद का सम्मान किया जाता है। मगर भारत में सियासी और वैचारिक ध्रुवीकरण इतना तीखा हो चुका है, अब राष्ट्रपति को भी दलगत संदर्भों में देखा जाने लगा है। राष्ट्रपति ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर राष्ट्र की चिंता जताई है। द्रौपदी मुर्मू की इस बात से पूरा देश सहमत होगा कि देश में महिलाओं को कमजोर मानने की मानसिकता बनी हुई है। मुर्मू ने कहा- 'जो लोग ऐसी सोच रखते हैं, वे इससे भी आगे जाकर महिला को वस्तु मानने लगते हैं।' उनके इस आह्वान में भी सारा देश अपना स्वर मिलाएगा कि 'बेटियों की स्वतंत्रता की राह से रुकावटों को हटाना हमारी जिम्मेदारी है।' इसके बावजूद राष्ट्रपति के वक्तव्य पर जनमत के एक बड़े हिस्से में तीखी प्रतिक्रिया देखी गई, तो उसकी वजह है कि महामहिम ने अपनी इस व्यापक चिंता को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की बहुचर्चित घटना से जोड़ दिया। मूर्मू ने कहा- 'इस घटना से राष्ट्र आक्रोश में है और मैं भी हूं।' अब चूंकि राष्ट्रपति ने अपनी चिंता को प्राथमिक रूप से कोलकाता की घटना से जोड़ा, तो लोगों का ध्यान सहज ही इस ओर चला गया कि उन्होंने वक्तव्य उसी रोज जारी किया, जिस दिन भारतीय जनता पार्टी ने इस वारदात को लेकर पश्चिम बंगाल बंद की अपील की हुई थी। इसी का परिणाम हुआ कि विपक्षी दलों ने और सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने यह सवाल उठा दिया कि क्या राष्ट्रपति तक मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने और उनसे यौन हिंसा करने, उत्तर प्रदेश में हुई महिला अत्याचार की वीभत्स घटनाओं, महाराष्ट्र के बदलापुर की वारदात आदि की खबर नहीं पहुंची थी? राष्ट्रपति ने अपने वक्तव्य को 'महिला सुरक्षा: अब हद हो गई है' शीर्षक दिया है। तो यह सवाल भी उठा है कि ये हद आखिर कब हुई- कोलकाता में ही ऐसा हुआ या राष्ट्रपति लगातार हो रही ऐसी सभी घटनाओं से आहत हैं? राष्ट्रपति को राष्ट्रीय विवेक का प्रतिनिधि समझा जाता है। इसलिए दलगत सोच से उठ कर इस पद पर बैठे व्यक्ति का सम्मान किया जाता है। मगर भारत में सियासी और वैचारिक ध्रुवीकरण इतना तीखा हो चुका है, अब राष्ट्रपति को दलगत संदर्भों में देखा जाने लगा है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुर्मू ने ऐसी धारणाओं को तोड़ने में कोई योगदान नहीं किया है।

## आलेख

## मुस्लिम बीएलओ को हटाया गया जाना क्यों और क्या

**अजय दीक्षित**

खबर है कि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम बी.एल.ओ. को ड्यूटी से हटाया जा रहा है । इलेक्शन कमिशन ने वोटरों की सुविधा के अनुसार हर मतदान केन्द्र पर ब्लॉक लेवल अफसरों की नियुक्ति की है । इनका काम वोटर लिस्ट को अपडेट करना, हर मतदाता को पर्ची बांटना और उस बूथ के वोटरों की अन्य प्रकार से सहायता करना है । इससे इलेक्शन कमीशन को विश्वास है कि मतदान प्रतिशत बढ़ेगा । दुनिया के कुछ ही देशों में मतदान अनिवार्य है । उन देशों में यदि मतदाता वोट डालने नहीं जाता तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक करवाई होती है । परन्तु बहुत से विकसित देशों में वोटर स्वत- ही वोट डालने जाते हैं । अधिकांश विकासशील व पिछड़े देशों में वोटरों का प्रतिशत 50त्रसे अधिक नहीं है जो वोट डालने जाते हैं । भारत में चुनाव आयोग व्यापक इंतजाम करता है । हर बूथ पर छाया, पीने का पानी, अशक्तों के लिए रैम्प आदि की सुविधा का प्रावधान है । परन्तु हकीकत यह है कि असल में ये सुविधाएं वास्तव में कितनी हैं, यह एक सर्वे से मालूम पड़ जायेगा । हमारे अधिकारियों को आदेश देने की आदत है । वे वास्तव में भ्रमण करके जमीनी हकीकत नहीं जानना चाहते । मोदीजी गुलाम मानसिकता को मिटाने की बात करते हैं । क्रांतिकारियों के साथ अंग्रेजों ने बहुत कठोर दुर्व्यवहार किया था । उन्हें फांसी पर चढ़ा दिया था । परन्तु प्रशासन में वे जनता के हित में काम करते थे । भारत की भाषाओं का सर्वे अंग्रेज अधिकारी ने किया था । यहां की जनजातियों के रीति रिवाजों और प्रथाओं का अध्ययन भी अंग्रेज नकरशाही ने किया था । वे 10ः00 बजे दफ्तर पहुंचते थे क्योंकि वे रात को जश्न मनाते थे तो देर से सो कर उठते थे । हम अभी भी 10ः00 बजे दफ्तर खोलते हैं जबकि उत्तर पूर्व के राज्यों में सुबह 4ः00 बजे सूर्य चमकने लगता है । अधिकांश भागों में 10ः00 बजे तक तो आधा दिन बीत जाता है । अंग्रेज कलेक्टर सुबह 4ः00 बजे घोड़े पर सवार होकर लोगों की समस्या को जानते थे । अब तो कलेक्टर यदि कोई मीटिंग बुलाता है, और कोई उसमें अनुपस्थित रहता है तो उसे तत्काल निलंबित कर दिया जाता है बिना कारण जाने । किसी के घर में कोई गम्भीर हादसा हो गया, कोई बीमार पड़ गया, कोई आपदा आ गई, इसकी जानकारी नहीं ली जाती है । हम बात बी.एल.ओ. की कर रहे थे । ज्यादातर इसमें सरकारी शिक्षकों को लगाया गया है । उन्हें शायद कुछ पारिश्रमिक मिलता है, परन्तु वे शायद ही कभी किसी वोटर को कहते होंगे कि किसे वोट दें । ज्यादातर बी.एल.ओ. महिलाएं हैं । उनके पति उनके स्थान पर काम करते हैं । हम विश्व गुरु बनना चाहते हैं और शिक्षक शिक्षिकाओं को वोटर के घर-घर जाने का काम सौंपते हैं । ज्यादातर बी.एल.ओ. इससे मुक्ति चाहते हैं । असल में 4 जून के परिणाम के बाद भाजपा में हलचल है । उसका 370 का नारा और 400 पार का नारा सफल नहीं हुआ । अब केन्द्र में भाजपा की सरकार न होकर एन.डी.ए. की सरकार है । उत्तरप्रदेश में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ । योगी जी के खिलाफ उसके ही दो उपमुख्यमंत्री रहे हैं । अब आर.एस.एस. के निर्देश पर जरूर ऊपरी तौर पर समझौता हो गया लगता है और केशव प्रसाद मौर्य कहते हैं कि योगी जी देश के सबसे कुशल मुख्यमंत्री हैं । चर्चा यह भी है कि शाह और योगी जी में 36 का आंकड़ा है । उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर विधायकी को लेकर उपचुनाव है । इसमें एक-एक सीट पर योगी जी ने 30-30 मंत्रियों को उतार दिया है । अब मुस्लिम बी.एल.ओ. को हटाकर शायद दिवा स्वप्न देखा जा रहा है कि सभी 10 सीटें बीजेपी जीत जायेगी । असल में उत्तरप्रदेश में इन 10 सीटों के लिए सपा और कांग्रेस में समझौता हो गया है जो बीजेपी के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है । सुकून की बात यह है कि विपक्ष के वोट मायावती की बहुजन समाज पार्टी काटेगी । इससे भाजपा को ज्यादा फायदा होगा । मुस्लिम बी.एल.ओ. तो खुश ही होंगे कि उन्हें इस कार्य से मुक्ति मिल गई । असल में कोई भी बी.एल.ओ. यह काम करना नहीं चाहता और इससे छुटकारा चाहता है । हमारे राजनेता महलों में रहकर दिन में सपने देखते हैं अच्छा हो उन्हें ज़मीनी हक़ीक़त मालूम हो ।

# भाजपा का चुनावी मशीनरी पर से भरोसा उठा

**हरिशंकर व्यास**

लाख टके का सवाल है कि चार राज्यों में विधानसभा के चुनाव भाजपा को कौन लड़ा रहा है? दो राज्यों में चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। जम्मू कश्मीर में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन खत्म हो गया है और प्रचार शुरू है, जबकि दूसरे चरण के मतदान के लिए पर्चा भरने की प्रक्रिया चल रही है। हरियाणा में पांच सितंबर को अधिसूचना जारी होगी और उसी दिन से नामांकन शुरू होगा। इन दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे चार अक्टूबर को आएंगे और उसके तुरंत बाद चुनाव आयोग महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव की घोषणा करेगा। सवाल है कि क्या इन चार राज्यों में भाजपा की प्रदेश कमेटियां चुनाव लड़ या लड़वा रही हैं या राज्यों के प्रभारी चुनाव लड़वा रहे हैं या चारों राज्यों में नियुक्त चुनाव प्रभारियों के पास चुनाव लड़ाने का जिम्मा है या इससे अलग कोई व्यक्ति या संगठन पार्टी को चुनाव लड़ा रहा है? ऐसा लग रहा है कि लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा का अपनी चुनावी मशीनरी पर से भरोसा उठ गया है। उसने भाजपा के संगठन और साथ ही राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के नेटवर्क को ताक पर रख दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी भाजपा एडहॉक तरीके से काम कर रही है, यह दिख रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का विस्तारित कार्यकाल भी खत्म गया है लेकिन पार्टी ने उनको फिर से एक सेवा विस्तार देने की औपचारिकता नहीं निभाई। वे ऐसे ही अध्यक्ष बने हुए हैं। यही हाल सभी प्रदेश कमेटियों का है। हर जगह प्रदेश कमेटियां सिर्फ हैं, उनको कोई काम नहीं करना है। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं वहां भी भाजपा ने उनको किनारे ही करके रखा है। जम्मू कश्मीर में भाजपा का पूरा संगठन ही शिथिल कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी पसंद से राम माधव को कश्मीर घाटी की राजनीति संभालने के लिए भेजा है। चार साल पहले पार्टी महासचिव पद से हटा कर उन्हे बियाबान में भटकने के लिए छोड़ दिया गया था। वे भाजपा और संघ दोनों से बाहर थे। हालांकि परदे के पीछे से वे प्रधानमंत्री के लिए विदेश मामलों में कुछ काम करते थे लेकिन राजनीतिक भूमिका नहीं बची थी। उन्होंने चूंकि कश्मीर घाटी की पार्टियों खास कर पीडीपी के साथ अच्छे संबंध बनाए हैं और सज्जाद लोन या अल्ताफ बुखारी जैसे नेताओं के साथ भी कामकाजी रिश्ते हैं तो उनको वहां की राजनीति संभालने के लिए भेजा गया है। जम्मू की राजनीति पहले जितेंद्र सिंह कर रहे थे लेकिन अब नेशनल कॉन्फ्रेंस में लंबे समय तक रहे उनके भाई देवेंद्र सिंह को भाजपा में शामिल कराया गया है। सोचें, वे उमर अब्दुल्ला के राजनीतिक सलाहकार थे। उनके जिम्मे जम्मू की राजनीति है। भाजपा के अपने पुराने चेहरे गायब हैं। पूर्व मुख्यमंत्री निर्मल सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कविंद्र गुप्ता दोनों की टिकट की घोषणा नहीं हुई है। भाजपा ने पहले जी किशन रेड्डी को वहां का प्रभारी बनाया था लेकिन अब रेड्डी को राम माधव के साथ काम करना है। इसी तरह हरियाणा में भाजपा ने पिछले 10 साल से गैर जाट की राजनीति की है और इसी वजह से उसको सफलता भी मिली लेकिन चुनाव से ऐन पहले उसने कांग्रेस की किरण चौधरी को पार्टी में शामिल कराया और राज्यसभा भेज दिया। दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद बनने से खाली हुई राज्यसभा सीट पर किरण चौधरी उच्च सदन में गई हैं। अब किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ प्रचार कर रहे हैं। सोचें, हरियाणा में भाजपा के तमाम पुराने नेता रामबिलास शर्मा, अनिल विज, ओमप्रकाश धनखड़, कैप्टेन अभिमन्यु आदि हाशिए में हैं और परिवारवाद के कथित विरोधी नरेंद्र मोदी की पार्टी में हरियाणा के तीनों लालों के परिवार के सदस्य राजनीति कर रहे हैं। देवीलाल के बेटे रणजीत चौटाला, बंशीलाल की बहू किरण चौधरी व पोती श्रुति चौधरी और भजनलाल के बेटे कुलदीप बिश्नोई, बहू रेणुका बिश्नोई और पोते भव्य बिश्नोई भाजपा की राजनीति के चेहरे हैं। झारखंड में भाजपा की राजनीति अब पूरी तरह से हिमंत बिस्व सरमा के हाथ में है। वहां बाबूलाल मरांडी प्रदेश अध्यक्ष हैं, लक्ष्मीकांत वाजपेयी प्रदेश के संगठन प्रभारी हैं और शिवराज सिंह चौहान चुनाव प्रभारी हैं लेकिन भाजपा को चुनाव लड़ा रहे हैं चुनाव के सह प्रभारी हिमंत बस्वा सरमा। पार्टी में किसको शामिल किया जाए, किसको नहीं शामिल किया जाए, किसको टिकट दी जाएगी, किसको कहां चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी दी जाएगी, यह सब वे तय कर रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन को भाजपा में शामिल कराया है। अब कोल्हान की 15 सीटों पर चम्पई भाजपा को चुनाव लड़ाएंगे, जबकि उस इलाके में अर्जुन मुंडा जैसा बड़ा नेता भाजपा के पास पहले से है। कुछ दिन पहले ही मधु कोड़ा और उनकी पत्नी गीता कोड़ा भी भाजपा में शामिल हुए। ये दोनों भी कोल्हान इलाके के ही नेता हैं। प्रदेश भाजपा के सारे नेता हिमंत बिस्व सरमा के मोहताज हैं। सोचें, वे महज आठ नौ साल पहले कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए थे। अभी वे असम के मुख्यमंत्री हैं और पार्टी में अघोषित रूप से नंबर तीन की हैसियत उनकी बन गई है।महाराष्ट्र का चुनाव सबसे ज्यादा उलझा हुआ है। पांच साल सरकार चलाने के बाद देवेंद्र फड़नवीस प्रदेश की राजनीति में और भाजपा के अंदर भी सबसे मजबूत चेहरे के तौर पर उभरे थे। लेकिन पता नहीं किस राजनीति के तहत उनको पूरी तरह से खत्म कर दिया गया। उनकी सरकार में मंत्री रहे एकनाथ शिंदे को शिव सेना से लाकर मुख्यमंत्री बनाया गया और उनको शिंदे की सरकार में उप मुख्यमंत्री बनने को मजबूर किया गया। इतना ही नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन अजित पवार के ऊपर 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था उनको भी एनडीए में शामिल किया गया और उप मुख्यमंत्री बनाया गया।

# महिला विरोधी अपराध के दलदल में भद्रलोक

**उमेश चतुर्वेदी**

अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आई थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थी। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफअली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजूमदार जो बाद में सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है। समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरता पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर

शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बरता की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं। अभी बहुत दिन नहीं हुआ, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आई थीं। वहां की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूचा बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे ऊपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि संघर्षशील ममता नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ कर देगी। उन्हें उम्मीद थी कि ममता अपने राजनीतिक औजारों से बंगाल की व्यस्था में जमे नासूर को साफ कर देंगी। लेकिन अफ्सोस ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी कदम पर चल पड़ी।

## धर्म को मात्र क्रिया से मत जोड़िये उसे अपने जीवन व्यवहार का अंग बनाइये : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

**इंदौर ( विश्व परिवार )।** जिनशासन के सूर्य की प्रभावना तभी होगी जब हम स्वंय अपने जीवन को धर्म का अंग बनायेंगें, धर्म को मात्र क्रिया से मत जोड़िये उसे अपने जीवन व्यवहार का अंग बनाइये। उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने मोहताभवन रैसकोर्स रोड़ पर प्रात:कालीन धर्मसभा में सोलहकारण भावना की मार्ग प्रभावना अंग पर प्रकट किये, उन्होंने कहा कि सबसे पहले इस बात का प्रयास करो कि मुझे प्रकाश मिला और जो धर्म का प्रकाश आपको मिला है वह प्रकाश दूसरों तक भी पहुंचे ऐसा प्रयास हम सभी का होंना चाहिए। मुनि श्री ने चार बातें प्रकाश, आभास, प्रयास और विकास पर चर्चा करते हुये कहा कि ज्ञान के प्रकाश का विकास होंना चाहिये उन्होंने कहा किआप लोगों में से बहूत से लोग आकर कहते है कि गुरूदेव आपके प्रवचन से मेरे जीवन की दिशा ही बदल गयी तो आपका प्रयास यह होंना चाहिये कि जन जन तक यह बात पहुंचे।जैन धर्म का विस्तार तभी होगा जब प्रत्येक जैन जैनत्व की कसौटी पर खरा उतरे मुनि श्री ने कहा कि बातें तो हम धर्म की बहूत करते है, में तो कहता हुं कि आप सभी धर्मी है लेकिन कौन कितना धर्मी है यह तो मात्र आप ही जानते है। मुनि श्री ने कहा कि धर्म मात्र एक कोरी क्रिया नहीं है कि आपने आकर भगवान का अभिषेक पूजा पाठ किया और एक घंटा मंदिर में दिया, फिर

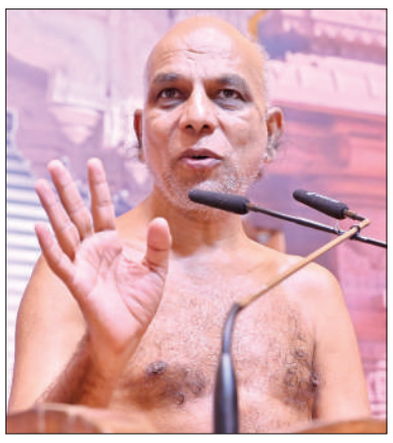

दिन भर पाप की क्रिआओं में उलझ गये, यह धर्म नहीं है, धर्म को मात्र जीवन की क्रिया मत बनाइये, धर्म को अपने जीवन का अंग बनाइये जो आपके जीवन व्यवहार में झलके आपको देखकर लोग आपसे प्रभावित हों, अपना व्यक्तित्व ऐसा बनाइये लोग आपका अनुसरण करें। मुनि श्री ने कहा कि आप यात्रा कर रहे है, तो इधर उधर की बात करने की आपेक्षा आप अपने मोवाईल से प्रवचन सुनें प्रवचन की दो चार किताबें अपने साथ रखें और पहले खुद पड़े तथा औरों को दें जिससे दूसरा प्रभावित हो तथा जो रोशनी आपने पाई है उसे दूसरा भी पा सके। यदि हमने ऐसा किया तो हम जैन धर्म को जन जन तक पहुंचा सकते है, मुनि श्री ने कहा 24 घंटे पाप में रत रहने बाले व्यक्ति को यदि पापी कहा जाऐ तो उसको बुरा लगता है कि नहीं? में किसी को पापी नहीं कहना चाहता में तो कहता हूं कि सभी धर्मात्मा है आप है या नहीं इसका आंकलन आप खुद कीजिये! मात्र बातों से प्रभावना नहीं होती यदि आप धर्म की प्रभावना करना चाहते हो तो आप अपने आचरण कोअपनी कसौटी पर कसो और इतना प्रभावी बनाओ कि लोग आपसे प्रभावित हो सकें। कार्यक्रम संचालक एवं शिवर निर्देशक बाल ब्र. अशोक भैया एवं अभय भैया एवं सहयोगी अमित बास्तु सहित धर्म प्रभावना समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन एवं मीडिया प्रभारी राहुल जैन स्पोर्ट्स ने देते हुये बताया 8 सितंवर से 17 सितंबर तक दि.जैन समाज द्वारा दशलक्षण महापर्व पर धर्म की आराधना एवं श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन मोहताभवन में आयोजित है प्रात: 5 बजे से 8 बजे रात्री तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे जिसमें प्रात:काल 5 बजे से भावनायोग तत्पश्चात भगवान का अभिषेक शांतीधारा तथा 8-45 से। 10 बजे तक मुनि श्री के दशलक्षण धर्म पर प्रवचन दौपहर 2:30 से तत्वार्थ सूत्र का बाचन एवं सांयकाल 6 बजे से 8 बजे तक शंकासमाधान आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।धर्मप्रभावना समिती के अध्यक्ष अशोक रानी डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन आनंद गोधा, महामंत्री हर्ष जैन, दिलीप गोधा, मनोज अनामिका जैन सहित सभी पदाधिकारियों ने धर्मलाभ लैने की अपील की है।

**-अविनाश जैन**

## वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज ने आचार्य पद स्थली पारसोला दी रत्नत्रय के प्रतिक 3 दीक्षाएं

**पारसोला ( विश्व परिवार )।** प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शांतिसागरजी की अक्षुण्ण मूल बाल ब्रह्मचारी पट्ट परम्परा के पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी वर्ष 2024 का वर्षायोग पारसोला में कर रहे है इस बेला में दिनांक 6 सितंबर को ब्रह्मचारी प्रदीप जी 108 मुनि श्री प्रणित सागर जी, ब्रह्मचारिणी शकुंतला किकावत 105 आर्यिका श्री प्रेक्षा मति, दिलीप जी अलासे क्षुल्लक श्री प्राप्त सागर जी बने।

श्रीमद् जैन धर्म की यही विशेषता है कि इस धर्म में सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र को धारण कर कर सिद्ध अवस्था को प्राप्त किया जा सकता है। सम्यक दर्शन और सम्यक ज्ञान के बाद चारित्र अर्थात साधु जीवन अपनाना जरूरी है चर्या में परिवर्तन करना ही दीक्षा है, संसार की दौड़ से दूर होना दीक्षा है।संसारी प्राणी इच्छाओं से ग्रसित है संसार रुलाता है दीक्षा लेकर शिष्य को गुरु संगति में रहना चाहिए।जैन धर्म तीर्थंकर भगवान द्वारा प्रतिपादित, अनुमोदित, धारित श्रमण धर्म है। प्रथमाचार्य श्री शांति सागर जी महाराज ने अपने संयम पुरुषार्थ से श्रमण परंपरा को पुनर्स्थापित किया।उत्तर भारत में चातुर्मास कर धर्म प्रभावना, धर्म जागृति, और सुप्त हो रही समाज को जागृत किया। आज सभी दीक्षार्थी गुरु और परिवार परंपरा अनुसार दीक्षा ले रहे हैं ब्रह्मचारी प्रदीप जी के गृहस्थ अवस्था के पिता,माता,बहन क्षुल्लक समाधि सागर बने, उनकी माता ने हमसे दीक्षा लेकर आर्यिका मूर्तिमति बनी और बहन भी दीक्षा लेकर आर्यिका सुवैभव मति बनी। ब्रह्मचारिणी शकुंतला जी के ग्रहस्थ अवस्था के पति ने भी हमसे दीक्षा लेकर मुनी पदम कीर्ति सागर बने और दिलीप जी के बड़े भाई ने भी हमसे दीक्षा लेकर मुनि परमानंद सागर बने तथा पत्नी भी दीक्षा लेकर संघ में आर्यिका विनम्रवती के रूप में है। शिष्य को दीक्षा लेकर गुरु के प्रति कृतज्ञता को दिल में समर्पण भाव के साथ धारण करने से साधना में सफलता मिलती है। यह धर्म देशना आचार्य वर्धमान सागर जी ने दीक्षा के अवसर पर प्रकट की। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने उपदेश में बताया कि यह संसार प्रतिकूल है संयम से संसार को अनुकूल बनाया जाता है और इंद्रियों की दासता दूर की जाती है। शिष्य को गुरु को अपना जीवन समर्पित करना चाहिए ख्याति नाम यश पूजा से दूर रहना चाहिए।इसी पारसोला नगर में सन 1990 में मूलचंदजी घाटलिया ने मुनि दीक्षा लेकर मुनि ओम सागर जी बने आर्यिका पूर्वी मति भी इसी नगर की है साधु अपने जीवन में मृत्यु से भयभीत नहीं होता है साधु जीवन में साधना के बल पर मृत्यु पर विजय प्राप्त करता है।प्रथमाचार्य आचार्य शांति सागर जी महाराज ने अपने संयम साधना से श्रमण साधु मार्ग को खोला और 36 दिन की सल्लेखना लेकर समाधि का आदर्श प्रस्तुत किया। आचार्य श्री ने बिसतुनिया ग्राम का जिक्र कर बताया कि इस नगर ग्राम में एक भी जैन परिवार नहीं है राजपूत समाज है उन्होंने मुनी पदम कीर्ति महाराज की समाधि के समय एक बीघा जमीन दान देकर समाधि स्थल बनाया है नगर के नागरिक हर माह संघ के दर्शन हेतु आते हैं। इसके पूर्व दीक्षार्थियों की शोभा यात्रा श्री वर्द्धमान सागर सभागार में पहुँची। दिगंबर जैन दशा हूमड़ समाज एवं वर्षायोग समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दीक्षा समारोह श्यामा वाटिका कार्यक्रम सभागार में भगवान और पूर्वाचार्यों का चित्र अनावरण दीप प्रज्वलन दीक्षार्थी परिवार द्वारा किया गया। जयंतीलाल कोठारी अध्यक्ष एवं ऋषभ पचोरी अध्यक्ष चातुर्मास समिति ने बताया कि प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवती आचार्य श्री शांति सागर जी एवम पूर्वाचार्यों को अर्ध्य समर्पित विभिन्न नगरों से पधारी समाज द्वारा किया गया। **-राजेश पंचोलिया**

## संक्षिप्त समाचार

### दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर ने शिक्षक सम्मान समारोह मनाया

**जबलपुर ( विश्व परिवार )।** दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर नगर द्वारा फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष- हमारे प्रेरणास्त्रोत, मार्गदर्शक, मानवसेवा, सामाजिक, धार्मिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने वाले हम सभी के सामाजिक जीवन के गुरु श्रद्धेय प्रदीप सिंह जी कासलीवाल जी की पुण्य स्मृति को शिक्षक दिवस के रुप में मनाया गया। इस अंतर्गत चतुर्थ पुण्य स्मृति को आज गुरुवार 05 सितंबर 24 को शिक्षक-सम्मान समारोह के रूप में स्थानीय शासकीय नवीन बुनियादी माध्यमिक शाला राइट टाउन, जबलपुर में आयोजित किया गया, माँ सरस्वती वंदना से प्रारंभ करके ग्रुप अध्यक्ष श्री मनोज जी ने आज के दिन को याद करते हुए राष्ट्रपति राधाकृष्णन के शिक्षा के प्रति अवदान को स्मृत किया एवं शिक्षकों को सोशल ग्रुप संस्था का परिचय दिया एवं आज के कार्यक्रम के प्रसंग की जानकारी दी एवं श्री प्रदीप ममता जी, श्री अजीत नीलमणि नायक जी ने शिक्षा के महत्व एवं शिक्षकों के योगदान का उल्लेख किया, श्री अखिलेश अंजू जी ने अपने इस स्कूल के दिन याद किये। तत्पश्चात सम्मानित शिक्षकों में श्री मुकेश तिवारी जी, श्रीमती आभा जैन जी, श्रीमती सरिता विश्वकर्मा, श्री पवन चौबे, श्रीमती फरहीन मसूद, श्रीमती शिवानी परोहा, श्रीमती निधि शर्मा, एवं कुमारी सारिका बानो को सम्मानित किया गया एवं कासलीवाल जी को श्रधांजलि अर्पित की गई इस कार्यक्रम में नितिन, संतोष लहरी, सुनील, अरविंद, राविज, अनुपमा, साधना, स्नेहलता सहित ग्रुप दम्पति सदस्य एवं स्कूल के बच्चें व अभिभावक उपस्थित थे।

### सौ.कुसुम ताई सबके विधि महाविद्यालय के छात्रों ने धूम धाम से मनाया शिक्षक दिवस

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** राजधानी रायपुर के सबसे प्रसिद्ध महाविद्यालय सौ कुसुम ताई दाबके विधि महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओ जूनियर सीनियर सभी ने मिलकर धूम धाम से शिक्षक दिवस मनाया। इस अवसर पर सभी ने मिलकर महाविद्यालय के सभागृह को आकर्षक तरीके से सजाया।कार्यक्रम में आए सभी शिक्षकों का स्वागत पुष्प वर्षा कर किया गया। मंच पर आसीन सभी शिक्षकों ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया। उपस्थित सभी ने मां सरस्वती की वंदना की। मंच पर उपस्थित शिक्षकों में विशेष रूप से सैयद जाकिर अली, अमीन शेखर, शिशिर भंडारकर, प्रीति सतपथी, राजीव शर्मा, आर के शुक्ला जी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रो ने सभी शिक्षकों का सम्मान श्रीफल एवं शाल देकर किया। उपस्थित शिक्षकों ने बताया की राजधानी रायपुर का यह महाविद्यालय सबसे पुराने महाविद्यालय में से एक है जहा से शिक्षा ग्रहण कर कई छात्र बहुत ही ऊंचे स्तर पर गए। जिसमे कई बड़े न्यायाधीश, एडवोकेट, शासकीय कर्मचारी शामिल है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रिया एवं ऋषिका द्वारा ग्रुप डांस की मनमोहक प्रस्तुति दी। धनेश्वर साहू द्वारा मधुर गीत गया गया। उपस्थित शिक्षकों में अमीन शेखर एवं आर के शुक्ला द्वार पुरानी यादें ताजा करते हुए सदाबहार पुराने गीत प्रस्तुत कर समा बांधा तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सभा गृह गूंज उठा। प्रथम सेमेस्टर के छात्र आदित्य द्वारा सुंदर कविता की प्रस्तुति दी। अंतिम में सभी शिक्षकों ने केक काटा और सभी छात्रों द्वारा शिक्षको को उपहार भी दिए।आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से हर्ष यदु, गोपाल वर्मा, रवि सोनकर, हिमांशु पटेल, प्रांजल, मुकुल सेन, प्रिया देवांगन, ऋषिका राजपूत, जिया राजपूत, उपस्थित थे।

## ज्ञानरूपी दीपक में संयम रूपी चिमनी आवश्यक है : मुनिश्री शीतल सागर जी महाराज

**जबलपुर ( विश्व परिवार )।** संगम कॉलोनी में विराजमान ज्ञान ज्योति पुंज निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर जी के संगस्थ मुनि श्री शीतल सागर जी ने कल ज्ञान की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा ज्ञानरूपी दीपक में संयमरूपी चिमनी आवश्यक है अन्यथा वह राग-द्वेष की हवा से बुझ जायेगा, एवं प्रयोग (अनुभव) के अभाव में बढ़ा हुआ मात्र शाब्दिक ज्ञान अनुपयोगी, व्यर्थ ही साबित होता है।ज्ञान की शोभा विनय, नम्रता से है वस्तुत: विनय में ही ज्ञान सफलीभूत होता है। तथा बुद्धि बढ़ने के साथ-साथ विशुद्धि भी बढ़नी चाहिए। बुद्धि के बढ़ने पर भी विशुद्धि का नहीं होना आश्चर्य की बात है।

बुद्धि कच्चे माल की तरह है और विवेक पक्के माल की तरह। बुद्धि की परिपक्व दशा का नाम ही विवेक है। और ज्ञान विकास ज्ञान साधना के लिए पाठशाला संचालित की जाती है जिससे बच्चो को संस्कारों के साथ ज्ञान की प्राप्ति प्राचीन भारतीय परंपरा के साथ हो सके और इसी पद्धति को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक दिवस पर मुनि संघ के सानिध्य में पाठशाला अधिवेशन रखा गया है जिसमें जबलपुर ही नही बाहर से भी कई पाठशाला के शिक्षक शिक्षिका आयेंगे। मुनि श्री प्रसाद सागर जी ने उपस्थित जन समूह को संबोधन देते हुए कहा की सम्यक् दर्शन के आठ अंग होते हैं यह प्राय: सभी को ज्ञात है किन्तु यह बात विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि सम्यकज्ञान के भी आठ अंग होते हैं। यदि इन अंगों का पालन किये बिना

कोई स्वाध्याय, तत्व चर्चा या उपदेश करता है तो अब आप ही समझिये कि उसके पास कौन-सा ज्ञान है। क्षमताओं के विकास के लिये शिक्षण-प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है किन्तु जिन्हें स्वयमेव ज्ञान प्राप्त हो जाता है उन्हें शिक्षण की आवश्यकता नहीं होती।

जिसका ज्ञान पञ्चेन्द्रिय विषयों से प्रभावित है वह व्यक्ति मन के माध्यम से विकास के स्थान पर अपनी आत्मा को विनाश की ओर ले जा रहा है।ज्ञान के होने पर अनुभूति हो ही जायेगी यह कोई नियम नहीं है क्योंकि अनुभूति का संबंध चारित्र से है। हाँ0.. जिस समय अनुभूति होगी उस समय ज्ञान अवश्य ही रहेगा। **-आलिंद जैन**

## पाठशाला शिक्षक-शिक्षिका अधिवेशन एवं सम्मान समारोह हुआ आयोजित

**जबलपुर ( विश्व परिवार )।** आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से जबलपुर संस्कारधानी में वर्षायोग रत निर्यापक मुनि श्री 108 प्रसाद सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में समस्त जबलपुर के पाठशाला का अधिवेशन आयोजित हुआ जिसमें पधारे सभी पाठशाला के शिक्षक शिक्षिका ने अपने भावों को रखा की कैसे हम गुरुकुल परंपरा को जीवित रखते हुए व्यापक दृष्टि कोण के साथ आधुनिकीकरण के साथ जैन मंदिर में संचालित पाठशाला को सर्व जन सामान्य तक पहुंचा सकते है और नव पीढ़ी को इससे जोड़ने का प्रयास कर सकते है मुनि श्री पद्म सागर जी ने शिक्षक दिवस पर अपने उद्बोधन में कहा की जीवन का जयगान तभी संभव है, जब आप अपने गुरु की छत्रछाया तले पनपते हैं। गुरु तो अंधियारी में उजाला फैलाता उस दीपक के समान होते हैं, जिनका जीवन का एकमात्र लक्ष्य अन्याय और अज्ञान के अंधकार का अंत करना होता है एवं गुरु की फटकार भी मधुर संगीत की जैसी होती है, संगीत ऐसा जो सकारात्मकता को जन्म देता है। महाराज श्री ने कहा की गुरु का अस्तित्व अडिग खड़े हिमालय पर्वत जैसा होता है, जिनसे ज्ञान की अविरल गंगा का उद्गम होता है गुरु के शब्दों में तो प्रकृति के प्रति आस्था और प्रेम झलकता है, गुरु के आंगन में ही ज्ञान के पुष्प खिलते हैं। महाराज ने सभी को एकता समन्वय के साथ एक पाठशाला बोर्ड का गठन करने का सुझाव दिया और कहा की पाठशाला में सिर्फ और सिर्फ धार्मिक शिक्षा ही नही लौकिक, एवं मौलिक शिक्षा भी होनी चाहिए।

उपस्थित श्रावको को उद्योतित करते हुए निर्यापक श्रमण श्री प्रसाद सागर जी महाराज ने कहा एक गुरु के अथक प्रयासों से ही विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होता है, विकास ऐसा जिससे राष्ट्र का निर्माण होता है हम सभी विद्यार्थी है और विद्यार्थी जीवन का पहला संकल्प गुरु के प्रति 'समर्पण' होना चाहिए यदि आप अपने गुरु का सम्मान नहीं करना जानते, तो इस बात की भी उम्मीद न रखें कि समाज आपको सम्मान देगागुरु की छत्रछाया तले राष्ट्र का निर्माण होता है यूं ही नहीं गुरु को ईश्वर तुल्य माना जाता।

## दशलक्षण को पर्व ना समझे ये आपके जीवन को बदलने वाले सूत्र है : पुष्पादीदी

### पंचायत कमेटी की बैठक में दशलक्षण महापर्व की तैयारियों को दिया अंतिम रूप

### संस्कार शिविर में जायेगा जिला से ढाई सौ सदस्यो का दल : विजय धुर्रा

**अशोक नगर ( विश्व परिवार )।** कल से दशलक्षण महा पर्व प्रारंभ होने जा रहे हैं ये दस धर्म नहीं है ये जीवन को बदलने के वे सूत्र है यदि आप ने इनको अपने जीवन में उतार लिया तो आपके जीवन में अमूल्य चूल परिवर्तन देखने को मिलेगा आप हर समस्या का समाधान जिनवाणी से प्राप्त कर सकते हैं इसके लिए देशना लब्धी की महिमा को समझना होगा देशना लब्धी से आपके जीवन की हर समस्या का समाधान मिल जाता हैं हमारे जीवन की कीमत बहुत है हमें इसका अनुमान नहीं है जीवन की दुर्लभता का भी हमें वोध नहीं है जीवन यूं ही बीता जा रहा है हमारा जीवन बहुत ही दुर्लभ है इसे हमने जान? लिया है तो समझें कि एक दिन में हम भव से पार हो जायेंगे उक्त आश्य केउद्गार ब्राह्मणी विद्या आश्राम सागर से पधारी वाल ब्रह्मचारी पुष्पा दीदी ने सुभाष गंज में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आठ सितंबर से पर्वराज पायूषण महापर्व प्रारंभ हो रहें हैं हर घर हर दिल में महापर्व को मनाने की तैयारियां चल रही है देश का सबसे बड़ा आयोजन इन दिनों सागर में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में 31वे श्रावक संस्कार शिविर के रूप में होने जा रहा है इसमें अशोक नगर जिले से 250 सदस्यों का दल कल रवाना होगा हमारे समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के आग्रह पर आदरणीय वाल ब्रह्मचारी पुष्पा दीदी इस महापर्व नित प्रति ज्ञान की गंगा बहायेगी हम तैयारियां करके आये और इस ज्ञान गंगा में अवगाहन करें इस दौरान आचार्य भगवंत के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई सभा संयोजक निर्मल मिर्ची राजेश कासल नीरज पढ़ा ने किया।

इसके पहले श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की बैठक अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद के आतिथ्य में हुआ जिसमें दशलक्षण महा पर्व पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया इसके साथ ही जैन जाग्रति मंडल जैन युवा वर्ग भक्तांबर मंडल जैन मिलन पार्श्व जैन मिलन सहित विभिन्न संगठनों को जिम्मेदारीया पंचायत कमेटी द्वारा सौंपी गई।

**-विजय धुर्रा**

## साध्वी सुमंगल प्रभा जी ने कहा, मोबाइल एक ला इलाज बीमारी, इसका उपयोग कम से कम करें

**दुर्ग ( विश्व परिवार )।** एक वायरस पूरे विश्व में तबाही मचा सकता है इसी तरह का एक वायरस हमने जन्म दे रखा है उसे वायरस का नाम है मोबाइल मोबाईल रिश्तों को बर्बाद कर रहा है। मोबाईल घर की शांति को अशांति में परिवर्तित्ति कर रहा है। आज मोबाइल रातों की नींद हराम कर रहा है मोबाइल दिन का चैन लूट लिया है मोबाइल खाना-पीना छुड़वा सकता है। एक मोबाइल कोहमने जब से अपने हाथ में थामा इससे हाथ मिलाया इस मोबाइल ने जीवन में कितनी बबर्बादी खड़ी कर दी जिसकी आप कल्पना नहीं कर सकते। उक्त उद्गार जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब दुर्ग की धर्म सभा को संबोधित करते हुए साध्वी श्री सु मंगल प्रभा ने कहीं आज साध्वी श्री का प्रवचन मोबाइल और उसके दुष्प्रभाव पर था उन्होंने आगे कहा कि मोबाइल रूपी दोष के हम कब गुलाम बन गये। इसके बिना जीना भारी लगता है। मोबाइल का नशा शराब गुटखा के नशे से भी भयंकर है। ऐसी ळत आदत बना ली है आज के व्यक्ति ने कि मोबाइल का दिवाना बन गया है। **-नवीन संचेती**

## वर्तमान में आचार्य श्री शांतिसागर जी का प्रतिरूप हैं 90 वर्षीय गणिनी ज्ञानमती माताजी : प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी

**नांदणी ( विश्व परिवार )।** आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के बारे में हम क्या ही कह सकते हैं। मेरा परम सौभाग्य है की ऐसे चारित्र्य चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का वर्तमान में आचार्य पदारोहण का शताब्दी वर्ष चल रहा है। सन 1924 में उन्हें समडोली महाराष्ट्र में आचार्य पद पर समाज ने प्रतिष्ठापित किया था। और वे बीसवीं शताब्दी में प्रथम आचार्य के रूप में इस धरती पर हम सबके लिए दिगदिगन्त बने थे। आज भी उन आचार्य महाराज की सारी बातें चाहे हमने दर्शन न किये हो, लेकिन पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के मुख से जब हम सुनते हैं। तो ऐसा लगता है कि हमने भी आचार्य श्री शांतिसागर महाराज के साक्षात दर्शन ही कर लिए।

पूज्य गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी के रूप में आज हमें आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का दर्शन परिलक्षित होता है। क्योंकि पूज्य ज्ञानमती माता जी ने अपने जीवन में अपने गुरुणां गुरु प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांतिसागर जी महाराज के हर आदेश को, हर संदेश को, हर उनकी बातों को, अपने जीवन में अंगीकार किया है।और आज वे उन्हीं शांतिसागर जी महाराज के प्रथम पट्टशिष्य आचार्य श्री वीरसागर जी महाराज से दीक्षित होकर सन 1956 में माधोराजपुरा (राज.) में इनकी दीक्षा हुई। और आज भी हम सबको विगत 72 साल से लगातार जैन धर्म के पताका फहराने का संदेश, आदेश और आशीर्वाद दे रही है।

ऐसी पूज्य माताजी आज 90 वर्ष की हो रही है। जिन्होंने आचार्य शांतिसागर जी महाराज के साक्षात संदेशों को, उनके साक्षात दिग्दर्शन को, पूरे विश्व में गुंजायमान किया है। पूज्य माताजी का कोई भी प्रवचन ऐसा नहीं होता है। जब वे शांतिसागर जी महाराज के बारे में कोई विषय, कोई बात, ना बताए या उनकी जयजयकार ना करें। आज ऐसे शिष्यों का मिलना भी बहुत अनूठा है। जो अपने गुरु के भी गुरु, गुरुणां गुरु, गुरु और समस्त गुरु परम्परा को आज इस प्रकार से प्रभावित, प्रसारित करती हैं, की पूरे देश में हम सब एक आदर्श गुरु परंपरा को प्राप्त करते हैं।

आचार्य शांतिसागर जी महाराज हमारी पूरी जैन समाज के आदर्श हैं। पूरी संत समुदाय के आदर्श हैं। उनकी ही बातों को, उनके ही बताए मार्ग को, पालन करते हुए आज हमारे जैन समाज के दिगंबर जैन समाज के सारे संत समुदाय, आर्यिका माताएं, दिगंबर मुनि सभी लोग उनके बतायें मार्ग पर मुलाचार ग्रंथ में बताई बातोंका पालन कर रहे हैं।

ऐसे आचार्य शांतिसागर जी महाराज के प्रती हमारा शत शत नमन हैं। और उनके आचार्य पदारोहन शताब्दी वर्ष की यह मिसाल हम सबके लिए बहोत अच्छी कायम हो। हमारे लिए सबके लिए अमर बन जाए।

ऐसी मंगल प्रार्थनाओंके साथ में आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज आज भी पूजे जायें आनेवाले हजारो साल तक भी उनका नाम दिगदिगंत रहे, उनकी चर्या दिगदिगंत रहे, उनके संदेश दिगदिगंत रहे, और आनेवाली पिढी भी आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के बतायें संदेशो और मार्ग पर चलते हुये जैन धर्म की पताका को फैराती रहे। और दिक्षा लेकर के मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती रहे ऐसी मंगल भावना हैं। **-अभिषेक अशोक पाटील**

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 07 सितंबर 2024



## संक्षिप्त समाचार

### शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित किया गया

**बलरामपुर(विश्व परिवार)।** डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षक दिवस के अवसर पर,संकुल स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह, संकुल केंद्र जमुआंटाड में मुख्य अतिथि धर्मवीर सिंह( छोटन सिंह) एवम् ग्राम पंचायत के सरपंच अशोक सिंह के अध्यक्षता में, संकुल केंद्र के शिक्षक/शिक्षिकाओं एवम् छात्र/छात्राओं तथा ग्राम पंचायत के नागरिकों के उपस्थिति में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संकुल स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पूर्व माध्यमिक विद्यालय झपरा के प्रधान पाठक कृष्ण बिहारी रवि,पूर्व माध्यमिक विद्यालय जमुआंटाड के शिक्षिका अन्नु भोई,प्राथमिक विद्यालय पीपर सोत के शिक्षिका प्रिया गुप्ता एवम् प्राथमिक विद्यालय तुर्रा पारा के शिक्षक एंथ्रेस मिंज जी को संकुल प्राचार्य शिव प्रसाद रवि एवम् मुख्य अतिथि छोटन सिंह के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के छात्राओं के द्वारा शिक्षक दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।मुख्य अतिथि छोटन सिंह जी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शिक्षक / शिक्षिकाओं को अपने अपने विद्यालयों में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने के लिए बधाई एवम् शुभकामनाएं दिए। अंत में संकुल प्राचार्य शिव प्रसाद रवि ने आभार व्यक्त करते हुए संकुल के सभी शिक्षक / शिक्षिकाओं को पेन देकर सम्मानित किया एवम् शुभकामनाएं तथा बधाई देते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा किए।

### पेट्रोलिंग की गाड़ी ने बाइक सवार को मारी ठोकर

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** शिक्षक दिवस के दिन नशे में धुत आरक्षक ने बाइक सवार शिक्षक को हाइवे पेट्रोलिंग की गाड़ी से ठोकर मार दी. इस घटना में शिक्षक के एक पैर की हड्डी टूट गई. वहीं शिक्षक के साथ बाइक पर सवार अन्य व्यक्ति को भी मामूली चोट आई है. वहीं इस घटना के बाद आक्रोशित गांव वालों ने आरक्षक की जमकर पिटाई कर दी, जिसका वीडियों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी आरक्षक का नाम महेंद्र मंडावी है. शराब कि नशे में आरक्षक ने तुमड़ीबोड थाना क्षेत्र के गांव टप्पा में हाईवे पेट्रोलिंग वाहन से बाईक पर सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। जिसमें सेमरा डोंगरगढ़ के तिलई रवार स्कूल के सहायक शिक्षक के रूप में पदस्थ सोनिश्रि पाटिल को गंभीर चोटें आई है शिक्षक को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहा उनका इलाज जारी है।

### हेडमास्टर ने फांसी लगाकर दी जान

**बालोद(विश्व परिवार)।** जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक हेडमास्टर ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। वहीं मौके से पुलिस को सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें आत्महत्या के कारणों का जिक्र मृतक हेडमास्टर ने किया है। यह मामला डौंडी थाना क्षेत्र के घोठिया गांव का है। जानकारी के अनुसार, डौंडी विकासखंड के ओड़गांव स्कूल के हेडमास्टर देवेंद्र कुमेटी जो घोठिया गांव में रहने वाले थे, उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब मृतक के आसपास खोजबीन शुरू किया तो एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है।

### आंगनबाड़ी केंद्र का पोहा खाने से बच्चे हुए बीमार

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** जिले के मैनपुर स्थित पीपल खुंटा मिडिल स्कूल में 23 बच्चों के मध्यान्ह भोजन करने के बाद बीमार पड़ने की घटना को 24 घंटे नहीं बीते कि अब जिले के आंगनबाड़ी केंद्र में पोहा खाकर बच्चों के बीमार होने की खबर सामने आ गई. बीमार पड़े बच्चों में से एक का अब भी देवभोग के अस्पताल में इलाज चल रहा है. इस बीच दहशतजदा पालकों ने अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र भेजना बंद कर दिया है. फूड पॉयजनिंग का मामला सुपेबेड़ा के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 3 में 25 से भी ज्यादा बच्चों का नाम दर्ज है, लेकिन आते केवल 3 थे. 3 सितंबर को भी आए तीनों बच्चों को सुबह 10 बजे सहायिका ने पोहा खिलाया. 11 बजते तक बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगा. बच्चों की हालत देख बच्चों को सुपेबेड़ा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बच्चों को ओडिसा के धर्मगढ़ स्थित अस्पताल ले गए. ग्रामीण त्रिलोचन सोनवानी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है. निगरानी करने वाला कोई नहीं है. केंद्र 3 में महीनों से ज्यादातर बच्चे नहीं आ रहे हैं, लेकिन सभी का भोजन खर्च दिखाया जा रहा है. बावजूद इसके गिनती के तीन-चार बच्चों को भी संभाल नहीं पा रहे. 3 सितंबर की घटना के बाद से अब केंद्र में एक भी बच्चा नहीं जा रहा है. मामले में प्रभारी परियोजना अधिकारी दीपा शाह ने कहा कि मामले की जानकारी लेकर उचित कार्रवाई करेंगे.

# पर्वों के आयोजन में सामाजिक समरसता के लिए प्रत्येक वर्ग सहयोग करें : विधायक

## शांति समिति की बैठक में गणेशोत्सव एवं ईद पर्व सौहार्द्रपूर्ण मनाने की गई अपील

**कांकेर(विश्व परिवार)।** जिले में दस दिवसीय गणेशोत्सव और ईद-ए-मिलादुन्नबी पर्व के आयोजन के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आज जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में उपस्थित कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने सभी वर्गों से पूर्व वर्षों की भांति परस्पर सामाजिक समरसता, भाईचारा और सौहार्द के साथ मनाने की बात कही। उन्होंने पर्वों के दौरान सभी वर्ग से आवश्यक व अपेक्षित सहयोग करने और शासन द्वारा निर्धारित नियमों व कानूनों का पालन करने की अपील की। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में कलेक्टर श्री निलेश महादेव क्षीरसागर ने सोशल मीडिया के माध्यम से कतिपय असामाजिक तत्वों के द्वारा अपुष्ट अफवाहें फैलाई जाती हैं, जिनसे सभी को सतर्क एवं सजग रहना आवश्यक है। उन्होंने इस दौरान नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और न्यायालय द्वारा निर्धारित नियमों व दिशानिर्देशों का पालन करने के संबंध में समिति के पदाधिकारियों से आवश्यक सहयोग करने की अपील की। साथ ही यह भी बताया कि मूर्ति विसर्जन, शोभायात्रा, जुलूस एवं झांकी प्रदर्शन के लिए रूट चार्ट आदि हेतु जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा माइक्रो प्लानिंग की जाएगी, जिसमें इस दौरान सभी आवश्यक सुविधाओं, सुरक्षा पहलुओं, पार्किंग, रूट चार्ट आदि के संबंध में विस्तार से कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक में अपर कलेक्टर श्री एस. अहिरवार ने एनजीटी के निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन समितियों को जिला प्रशासन के सक्षम प्राधिकारी से विधिवत अनुमति लेनी होगी। यह भी बताया गया कि शोभायात्रा, जुलूस में एनजीटी द्वारा पारित निर्णयानुसार डीजे/लाउड स्पीकर यंत्रों की सीमा 10 डेसिबल ए/75 डेसिबल ए होगी।

### घटारानी के मां शारदा मंदिर में चोरी

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल घटारानी स्थित मां शारदा मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है. मंगलवार रात शातिर चोरों ने मंदिर में रखी दानपेटी को निशाना बनाया और उसे वहां से चोरी कर लिया. लेकिन इसमें हैरत करने वाली बात यह है कि चोरी से पहले चोरों ने मंदिर में स्थापित मूर्ति को प्रणाम किया और फिर दानपेटी उठाकर फरार हो गए. चोरी की वारदात की यह घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. यह मामला फिंगेश्वर थाना क्षेत्र का है. कैमरे में कैद चोरी की घटना में देखा जा सकता है कि तीन युवक रात के अंधेरे में मंदिर के अंदर प्रवेश करते दिख रहे हैं, इसमें से एक चश्मा लगाया हुआ है. ये तीनों मंदिर के अंदर घुसते हैं. चोरों में से एक काले रंग का शर्ट पहना चोर मां शारदा के मंदिर में घुसता है और पहले मूर्ति को प्रणाम करता है फिर बाहर निकलता है. उसके बाद वह अपने साथी के साथ अंदर आता है और दान पेटी उठाकर दोनों फरार हो गए. उसके बाद में चोरों ने दान पेटी से पैसे निकालकर उसे बाहर जंगल में फेंक दिया. जिसे बरामद कर लिया गया है. मामले में पुलिस अपराध दर्ज कर ली है और फुटेज के आधार पर चोरों के तलाश में जुटी हुई है.

# नामांतरण, बंटवारा सहित लंबित राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में करें निराकरण - कलेक्टर

## कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

**गरियाबंद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली।उन्होंने अविवादित नामांतरण,बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली,नक्शा बटांकन,अभिलेखों की शुद्धता,डायवर्सन आदि राजस्व प्रकरणों की अनुविभागवार गहन समीक्षा की।कलेक्टर ने लोगों की सहुलियत को ध्यान में रखते हुए लंबित राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये है।उन्होंने प्रकरण निराकरण पश्चात उसका अभिलेख दुरूस्तीकरण भी तय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों से उनके क्षेत्र अंतर्गत पंजीकृत राजस्व प्रकरणों की विस्तृत जानकारी ली।साथ ही लंबे समय से दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में दर्ज प्रकरण समय-सीमा के बाहर नहीं जाना चाहिए।उनका निराकरण तय सीमा के अंतर्गत हो जाना चाहिए।कलेक्टर ने शासन के मंशानुसार लोगों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए सक्रियता के साथ गंभीरतापूर्वक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये।कलेक्टर ने वन अधिकार पट्टों का डीजीटाईजेशन,अभिलेख कोष्ठ में अभिलेख जमा करने की स्थिति,मसाहती,असर्वेक्षित ग्रामों का सर्वेक्षण, शासकीय उचित मूल्य दुकान,स्कूल, आंगनबाडी केन्द्र का निरीक्षण,पटवारी,राजस्व निरीक्षकों की बैठक लोकसेवा केन्द्र के अंतर्गत लंबित ओवदनों की जानकारी,लंबी अवधि तक अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर कार्यवाही एवं लंबित अनुकंपा नियुक्ति के सबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। कलेक्टर ने बैठक में अनुविभागीय अधिकारियों, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों से उनके न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली।इसके अलावा उन्होंने भू-अर्जन के लंबित प्रकरणों एवं मुआवजा भुगतान, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में सभी ग्रामों के नक्शों के जियो रेफ्रेन्सिंग के संबंध में तहसीलवार समीक्षा की।उन्होंने जनशिकायत,जनदर्शन,जनचौपाल इत्यादि प्रकरणों को अभियान चलाकर जल्द ही निराकृत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

### अपर कलेक्टर ने आगामी त्यौहारों के आयोजन के मद्देनजर डीजे एवं धुमाल संचालकों की ली बैठक

**राजनांदगांव(विश्व परिवार)।** कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा नवीन प्रताप सिंह तोमर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आगामी त्यौहारों के आयोजन को देखते हुए डीजे एवं धुमाल संचालकों की बैठक ली। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल शर्मा उपस्थित थे। बैठक में अपर कलेक्टर ने उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय बिलासपुर द्वारा ध्वनि विस्तार यंत्रों के उपयोग के लिए जारी आदेश की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आदेश का उल्लंघन करते पाए जाने पर संबंधित डीजे संचालक पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने पर डीजे सिस्टम सहित वाहन को जप्त किया जाएगा। साथ ही वाहन चालक का ड्राइविंग लाईसेंस भी निरस्त करने की विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि डीजे एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों के तीव्र आवाज से बच्चों, बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों, प्रसूति माताओं के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा प्रभाव होता है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल शर्मा ने डीजे संचालकों को ध्वनि विस्तार यंत्रों के उपयोग के लिए जारी आदेश के अनुरूप निर्धारित समय एवं आवाज को ध्यान में रखते हुए डीजे संचालित करने कहा। उन्होंने कहा कि निर्धारित आवाज और निर्धारित समय का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित डीजे संचालक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि डीजे संचालन में नियमों का उल्लंघन करने पर विगत दिनों डीजे संचालकों पर कार्रवाई की गई है। बैठक में पावर जोन, लक्ष्मी स्पीकर, कबीरा आडियो, डीजे हंस, डीजे आरवीएस, यादव डीजे कबीरा, उके डीजे रवेली, शिखा लाईट, आकाश लाईट, श्री शिवम् धुमाल, श्री सांई कृपा, न्यूजी धुमाल, डीजे आनंद आरजेएन, सिद्धी सांई धुमाल, डीजे आरडीएस, सागर साउंड, अजय साउंड सहित अन्य डीजे संचालक उपस्थित थे।

### कलेक्टर ने की व्यापार एवं उद्योग विभाग के कार्यों की समीक्षा

**बालोद(विश्व परिवार)।** कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने व्यापार एवं उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। श्री चन्द्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित व्यापार एवं उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक में वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बालोद को शासन की ओर से प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध स्वीकृत प्रकरण एवं उसकी भौतिक उपलब्धियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी ली। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अधिकारियों एवं बैंकर्स को जिले में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण उद्योगों को भी बढ़ावा देने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बालोद जिले के परिस्थिति एवं मांग के अनुरूप हाथकरघा आदि व्यापार व्यवसाय को बेहतर बनाने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक तथा अन्य अधिकारियों के अलावा बैंकर्सगण उपस्थित थे। बैठक में श्री चन्द्रवाल ने जिले में संचालित सूक्ष्म एवं लघु उद्योग, फूड पार्क, औद्योगिक क्षेत्र आदि के संबंध में जानकारी ली।

### रिंग रोड मार्ग का मजबूतीकरण का कार्य कराया जा रहा

**रामानुजगंज(विश्व परिवार)।** लोक निर्माण विभाग रामानुजगंज के द्वारा नगर में रिंग रोड मार्ग कुल लंबाई 6.60 किलोमीटर का मजबूतीकरण का कार्य 10 करोड़ 65 लाख 94 हजार रुपए के कराया जा रहा है। कार्य के प्रारंभ से ही गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं वही कार्य अभी पूर्ण भी नहीं हुआ है और सड़क उखड़ना शुरू हो गए हैं ऐसे में सड़क कितने दिन तक टिकेगा इसे समझा जा सकता है। गौरतलब है कि रंगीला चौक से पहाड़ी मंदिर चौक तक रिंग रोड के मजबूतीकरण कार्य के लिए 11 मई 2023 को प्रशासकीय स्वीकृति लोक निर्माण विभाग के द्वारा जारी की गई थी। वही लोक निर्माण विभाग के द्वारा कार्यादेश 27 अक्टूबर 2023 को जारी की गई थी अनुबंध के अनुसार नियत पूर्णता की तिथि 25 सितंबर 2024 रखी गई है। परंतु जिस प्रकार से कार्य कराया जा रहा है उसे नहीं लग रहा है कि नियत तिथि तक कार्य पूर्ण हो पाएगा कार्य के प्रारंभ में ही गुणवत्ता को लेकर कई बार सवाल खड़े हुए। डामरीकरण के कार्य को लेकर व्यापक स्तर में अनियमित बरती गई है जिस कारण डामरीकरण होने के बाद से ही सड़क उखाड़ना प्रारंभ हो गया है पहाड़ी मंदिर के समीप कई जगहों पर सड़क उखड़ गया है वही अन्य स्थानों पर भी सड़क की स्थिति देखकर इसके गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के सख्त हिदायत के बाद भी विभागीय अधिकारियों के लापरवाही से रिंग रोड का निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। बीते 10 वर्ष से रिंग रोड के मरम्मत के नाम पर पीडब्ल्यूडी लाखों रुपए करता रहा खर्च रिंग रोड का निर्माण जब नगर में किया गया था उसी समय रिंग रोड का निर्माण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था जिसके बाद से ही प्रत्येक वर्ष लोक निर्माण विभाग के द्वारा रिंग रोड मरम्मत के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जाते रहे। वहीं मुश्किल से 15 दिन एक महीना में सड़क की स्थिति पूर्ववत हो जाता था। शासन द्वारा सड़क निर्माण के लिए पर्याप्त राशि स्वीकृत की गई है जिससे गुणवत्तापूर्ण कार्य होगा परंतु ऐसा होता प्रतीत नहीं हो रहा है। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सुनील चौरसिया ने कहा कि अभी दो कोड और कार्य होना है। उन्होंने कहा कि डामरीकरण के बाद तत्काल बरसात शुरू हो गया था जिस कारण से ऐसी स्थिति निर्मित हुई। जहां-जहां सड़क क्षतिग्रस्त हुआ है उसे ठीक कर दिया जाएगा।

# शिक्षक किताबी ज्ञान के साथ जीवन जीने की नई राह दिखाते हैं : विधायक

## शिक्षक दिवस पर जिले के 38 शिक्षकों का हुआ सम्मान

**कांकेर(विश्व परिवार)।** शिक्षक दिवस के अवसर पर आज जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह का आयोजन पीएमश्री शासकीय नरहरदेव उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कांकेर में हुआ, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जिले के 38 शिक्षकों सहित सेवानिवृत्त शिक्षकों का शॉल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण कर शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते कहा कि शिक्षक न केवल किताबी ज्ञान देते हैं, बल्कि जीवन जीने के लिए नई राह भी दिखाते हैं। वे अनुशासन के साथ अच्छे संस्कार देते हैं और सभी को समान रूप से शिक्षा एवं मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। गुरुजनों के मार्गदर्शन के बिना जीवन अंधकारमय होता है। उन्होंने सभी गुरुजनों को प्रणाम करते हुए शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज उन गुरुजनों को याद करने का दिन है, जो हमें शिक्षा देकर एक अच्छा नागरिक बनाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन के बाद भी हमें हमेशा सीखते रहना चाहिए। जिला प्रशासन द्वारा जिले में शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। हमर लक्ष्य के माध्यम से विद्यार्थियों को जेईई और नीट जैसे परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क कोचिंग दी जा रही है। शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही बोर्ड परीक्षाओं में जिले के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वे आगे भी ऐसे ही प्रदर्शन करते रहेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमंत ध्रुव, उपाध्यक्ष श्री हेमनारायण गजबल्ला, मत्स्य कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री भरत मटियारा ने शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में अपने विचार रखे। मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण समारोह में उत्कृष्ट प्रधान पाठक के रूप में प्राथमिक स्तर पर अंतागढ़ विकासखण्ड के श्रीमती योगिता महावीर, प्रधान अध्यापक प्रा. शा. कुरचे, भानुप्रतापपुर विकासखण्ड से श्रीमती सारिका देहारी, प्रधानाध्यापक जनपद प्रा. शा. संबलपुर, चारामा विकासखण्ड से श्री चैतुराम जुर्री, प्रधान अध्यापक प्रा. शा. गितपहर, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड से श्री उत्तम चंद्र वारे, प्रधान अध्यापक प्रा. शा. सनतराई, कांकेर विकासखण्ड से श्री सुनील कुमार ध्रुव, प्रधान अध्यापक प्रा. शा. भीरावाही, कोयलीबेड़ा विकासखण्ड से श्री जयंत दास, प्रधान अध्यापक प्रा. शा. पी.व्ही. 72 एवं नरहरपुर विकासखण्ड से श्रीमती यात्री पुजारी, प्रधान अध्यापक प्रा. शा. भेलवापारा चनार को सम्मानित किया गया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
# विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 07 सितंबर 2024



## व्यापार समाचार

### एयरटेल ने कई आकर्षक लाभों के साथ सीमित अवधि के लिए फेस्टिव ऑफर्स लॉन्च किया

**नई दिल्ली:** आगामी त्योहारों के जश्न में, भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज अपने प्रीपेड ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर लॉन्च किए। यह ऑफर 6 सितंबर 2024 से 11 सितंबर 2024 तक केवल 6 दिनों के लिए वैध है , सीमित अवधि का सफेस्टिवऑफर्स ग्राहकों के लिए तैयार किये गए यह 3 विशेष पैक रु. 979, रु. 1029 और रु. 3599 पर कई लाभ देगा। यह पैक वॉयस, डेटा और ओटीटी स्ट्रीमिंग सेवाओं के विशेष लाभों से भरे हुए हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है।

### आईसीआरए ने वेदांता की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करते हुए किया एए

आईसीआरए ने वेदांता लिमिटेड की दीर्घावधि क्रेडिट रेटिंग को [ICRA] AA- से बढ़ाकर [ICRA] कर दिया है, जो कंपनी की मजबूत क्रेडिट प्रोफाइल को दर्शाता है। अल्पकालिक रेटिंग की भी [ICRA]Av+ पर फिर से पुष्टि की गई है। यह अपग्रेड वेदांता समूह में दीर्घकालिक रणनीतिक विकास और वित्तीय मजबूती पर केंद्रित महत्वपूर्ण विकास के बीच हुआ है। वेदांता लिमिटेड ने 22,000 करोड़ रुपये से अधिक का वॉर चेस्ट बनाया है, जिसमें मुख्य रूप से मौजूदा नकदी भंडार, हिस्सेदारी बिक्री और अपनी सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) से हासिल लाभांश शामिल है। पिछली कुछ तिमाहियों में, वेदांता ने अपनी बैलेंस शीट को डीलीवरेज किया है, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही में शुद्ध ऋण से ईबीआईटीडीए अनुपात में 1.9× से वर्तमान में 1.5× तक सुधार हुआ है। वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड अपने बकाया बॉण्ड के एक बड़े हिस्से को पुनर्वित्त करने के लिए भी सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है, जिसका लक्ष्य समेकित इकाई की ब्याज लागत को और कम करना है। सभी डीलीवरेजिंग प्रयासों से समूह की फाइनेंशियल फ्लेक्सिबिलिटी में भी समग्र रूप से सुधार होने की उम्मीद है।

### शाओमी इंडिया ने कैटरीना कैफको अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया: स्मार्ट भविष्य के लिए फिर से नया गठबंधन

**नईदिल्ली।** अपने इनोवेशन के लिए मशहूर, ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने आज कैटरीना कैफको अपना ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया। ब्रांड एम्बेसडर के रूप में कैटरीना कैफशाओमी के स्मार्टफोन, टीवी, और टेबलेट्स का प्रमोशन करेंगी। शाओमी को भारत में दस साल पूरे हो रहे हैं और इस समय किया गया यह गठबंधन हर किसी तक इनोवेशन पहुँचाने की शाओमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस गठबंधन में कैटरीना की वैश्विक अपील और आकर्षक सुंदरता सिमटी हुई है। कैटरीना कैफएक सफल बॉलिवुड अभिनेत्री हैं। भारतीय फिल्म उद्योग और विश्व में उनकी एक अलग पहचान है। वो इनोवेशन, स्टाईल और उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो शाओमी के मुख्य गुण हैं। उनकी लोकप्रियता और प्रभाव ब्रांड के बढ़ते ग्राहकों को आकर्षित करेंगे। कैटरीना को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाकर शाओमी ग्राहकों से अपना जुड़ाव मजबूत करना और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पसंद करने वाले महत्वाकांक्षी भारतीयों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। अनुज शर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, शाओमी इंडिया ने कहा, ''भारत में इनोवेशन पेश करते हुए दस साल पूरे होने के साथ शाओमी परिवार में एक बार फिर कैटरीना कैफका स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। उनकी शिष्टता, व्यापक अपील, और हमारे दर्शकों से गहरे जुड़ाव के कारण वो हमारे अगले चैप्टर के लिए उपयुक्त एम्बेसडर हैं। शाओमी और कैटरीना, दोनों में लोगों से गहरा जुड़ाव विकसित करने की अद्वितीय क्षमता है। अपने इस गठबंधन के साथ हम मिलकर इनोवेटिव टेक्नोलॉजी हर व्यक्ति तक पहुँचाएंगे।'' शाओमी का नया चेहरा बनने पर उत्साहित कैटरीना कैफ ने कहा, ''मैं शाओमी परिवार में फिर से शामिल होकर बहुत उत्साहित हूँ। यह बहुत ही रोमांचक समय है, जब यह ब्रांड लोगों के जीवन में इनोवेशन लाने के दस साल पूरे कर रहा है।

### ओला इलेक्ट्रिक ने फेस्टिव सीजन अपने एस1 पोर्टफोलियो पर 28,000 रुपये तक की आकर्षक डील्स और बेनेफिट्स के साथ शुरू किया

**रायपुर।** ओला इलेक्ट्रिक ने आज फेस्टिव सीजन से पहले आकर्षक डील और ऑफर पेश किए। ग्राहकों को चुनिंदा एस1 स्कूटर खरीदने पर 5,000 रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा, एक्सेसरीज़ और चुनिंदा बैंक के क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर कंपनी ने 11,000 रुपये तक के अतिरिक्त लाभ की घोषणा भी की है। ग्राहकों को 12,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। इस ऑफर का लाभ ग्राहक नजदीकी ओला इलेक्ट्रिक स्टोर पर आकर ले सकते हैं। यह ऑफर चुनिंदा शहरों में 15 सितंबर तक लागू रहेगा। कंपनी अपने उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला पर बिना किसी अतिरिक्त लागत के 8 साल/80,000 किलोमीटर की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी प्रदान करती है। ओला इलेक्ट्रिक का मानना है कि इससे इलेक्ट्रिक वाहनों की उम्र बढ़ेगी, और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में आने वाली एक बड़ी बाधा दूर हो सकेगी। ग्राहक एड-ऑन वॉरंटी लेकर 1,00,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 4,999 रुपये देकर और 1,25,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 12,999 रुपये देकर वॉरंटी के अंतर्गत ला सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने एक 3 किलोवॉट की पोर्टेबल फास्ट चार्जर एक्सेसरी भी पेश की है, जो 29,999 रुपये में खरीदी जा सकती है। ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। कंपनी के प्रीमियम एस1 प्रो और एस1 एयर का मूल्य क्रमशः 1,34,999 रुपये और 1,07,499 रुपये है। वहीं मास-सेगमेंट के स्कूटरों, एस1 एक्स+ और एस1 एक्स पोर्टफोलियो (2 किलोवॉटघंटा, 3 किलोवॉटघंटा, और 4 किलोवॉटघंटा) का मूल्य क्रमशः 89,999 रुपये; 74,999 रुपये; 87,999 रुपये और 101,999 रुपये है।

# मॉरीशस के साथ गोलरहित ड्रा से आगे बढ़ना है लक्ष्य : मनोलो मार्क्वेज

**हैदराबाद( एजेंसी )।** फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्क्वेज के जीवन की शुरुआत भूलने योग्य रही जब भारत ने इंटरकांटिनेंटल कप के पहले मैच में फीफा रैंकिंग में 179वें स्थान पर काबिज मॉरीशस के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ खेला। क्लीन शीट मॉरीशस के खिलाफ गतिरोध का मुख्य आकर्षण थी। हालाँकि, मुख्य कोच इस बात को लेकर सचेत थे कि सुधार केवल बटन दबाने से नहीं आता। बल्कि, यह एक लम्बा और घुमावदार सफर है। स्पेनिश कोच ने कहा, मुझे लगता है कि हमारा पहला मैच काफी उबाऊ था, लेकिन मैं खिलाड़ियों के रवैये की आलोचना नहीं कर सकता, जिन्होंने 100 प्रतिशत दिया। हमें केवल दो प्रशिक्षण सत्र ही मिल सके, हालांकि यह कोई बहाना नहीं है। सबसे अच्छी बात यह है कि मैंने देखा कि खिलाड़ियों ने पूरा प्रयास किया और हमने हार नहीं मानी। हमने कुछ अच्छे प्रदर्शन किए और कुछ अन्य चीजें हैं जिन्हें हमें ठीक करने की आवश्यकता है, लेकिन यह आगे बढ़ने का एक अच्छा बिंदु है। भारत अब इंटरकांटिनेंटल कप के अपने अगले मैच में 9 सितंबर को सीरिया से खेलेगा, यह मैच तीन टीमों की प्रतियोगिता के भाग्य का फैसला कर सकता है। निर्णायक मुकाबले से पांच दिन दूर, मार्क्वेज सही संयोजन खोजने के मिशन पर हैं। मार्क्वेज ने कहा,अभी, यह सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को खोजने के बारे में नहीं है। यह पिच के विभिन्न क्षेत्रों में सही संयोजन का पता लगाने और एक टीम के रूप में हम विभिन्न परिस्थितियों का प्रबंधन कैसे कर सकते हैं, इसके बारे में है। एक स्थिति जहां हम काफी अच्छी तरह से स्थापित हैं वह सेंटर-बैक की है। राहुल (भेके) और सना (कोंशम चिंगलेनसाना सिंह) ने मॉरीशस के खिलाफ बहुत अच्छा खेल दिखाया था, और संदेश (झिंगन), अनवर (अली), मेहताब (सिंह) और अन्य लोग किनारे पर इंतजार कर रहे हैं। मॉरीशस के खिलाफ भारत के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक भेके के लिए 3 सितंबर की रात काफी खास रही। 33 वर्षीय खिलाड़ी को पहली बार कप्तान के आर्मबैंड के साथ राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने का अवसर मिला। यह निश्चित रूप से मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व का क्षण था। मैं यह जिम्मेदारी पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और अब मैं निश्चित रूप से इसकी और अधिक लालसा करता हूं। भारत के डिफेंडर ने अपने कोच के शब्दों को दोहराया और महसूस किया कि ब्लू टाइगर्स के लिए कदम-दर-कदम सुधार ही आगे बढ़ने का रास्ता है। हम सकारात्मक बने हुए हैं। नए मुख्य कोच के तहत हमारा पहला लक्ष्य था और हमने कई चीजें अच्छी तरह से कीं। एकमात्र क्षेत्र जिस पर हमें काम करने की आवश्यकता है वह है लक्ष्यों का रूपांतरण। हमें ध्यान केंद्रित करना चाहिए और गोल करना चाहिए। कोच को इस बात का स्पष्ट अंदाज़ा था कि हमें कैसे खेलना है, और लड़कों ने उन्हें लागू करने के लिए कड़ी मेहनत की। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करते रहें।

# पेरिस पैरालंपिक: तीरंदाजी में हरविंदर ने जीता गोल्ड

**पेरिस( एजेंसी )।** टोक्यो 2020 के कांस्य पदक विजेता हरविंदर सिंह ने पुरुषों के व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीतकर एक और इतिहास रच दिया। वह पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बन गए। उन्होंने फाइनल में पोलैंड के लुकास सिसजेक को 6-0 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के साथ, हरविंदर पैरालंपिक और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र भारतीय तीरंदाज बन गए। वह लगातार दो पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पहले और एकमात्र तीरंदाज भी हैं। भारत ने अब तक पेरिस पैरालंपिक में चार स्वर्ण, आठ रजत और 10 कांस्य पदकों समेत कुल 22 पदक जीते हैं। हरविंदर के स्वर्ण के साथ भारत पदक तालिका में 15वें स्थान पर पहुंच गया है। इससे पहले बुधवार को ही सचिन खिलारी ने देश के लिए रजत पदक जीता था। हरविंदर ने फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। पहले सेट में 10 और दो 9 के साथ हरविंदर सिंह ने पहला सेट जीत लिया। सिसजेक ने 9, 7 और 8 का स्कोर किया। 2-0 से आगे चल रहे हरविंदर ने दूसरे सेट की शुरुआत लगातार दो नौ के साथ की और फिर 10 का स्कोर किया जबकि सिसजेक ने तीनों प्रयासों में 9 का स्कोर किया।

# बीसीबी अध्यक्ष, सीईओ ने महिला टी20 विश्व कप से पहले अमीरात बोर्ड के अध्यक्ष से की मुलाकात

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारुख अहमद और सीईओ निजाम उद्दीन चौधरी, महिला टी20 विश्व कप से पहले अबू धाबी में अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष नाहयान मबारक अल नाहयान से मिले। मूल रूप से बांग्लादेश में होने वाला 2024 महिला टी20 विश्व कप, राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण आईसीसी द्वारा 20 अगस्त को संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया गया था। अब यह 23 मैचों का टूर्नामेंट 3 से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में आयोजित किया जाएगा। बीसीबी टूर्नामेंट का मेजबान बना रहेगा, जबकि ईसीबी इसका आयोजन करेगा। बीसीबी अध्यक्ष अहमद ने ईसीबी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि ईसीबी टूर्नामेंट का सफल आयोजन करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों बोर्डों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं और वे टूर्नामेंट के आयोजन में ईसीबी और आईसीसी के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। प्रत्येक टीम दुबई और शारजाह में चार ग्रुप मैच खेलेगी। टूर्नामेंट में तीन डबल-हेडर मैच भी होंगे। दोपहर के खेल स्थानीय समयानुसार दोपहर 2 बजे शुरू होंगे, जबकि शाम के मैच शाम 6 बजे शुरू होंगे। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी, जो 17 और 18 अक्टूबर को क्रमशः दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में फाइनल होगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए एक रिजर्व दिन आवंटित किया गया है। ईसीबी अध्यक्ष नाहयान ने कहा कि वे संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के आयोजन से खुश हैं। उन्होंने कहा कि ईसीबी ने बार-बार अपनी मेजबानी क्षमताओं को साबित किया है और वे एक बार फिर विश्व स्तरीय आयोजन देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आईसीसी और बीसीबी को उनके विश्वास के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे सभी प्रतिभागियों का स्वागत करने और पूरे टूर्नामेंट में शीर्ष स्तर की क्रिकेट सुविधाएं प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। भारत ग्रुप ए में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, 2009 की चैंपियन इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, 2016 की विजेता वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड शामिल हैं।

# पेंशन पर आई बड़ी खबर, अब देश के किसी भी बैंक से ले सकेंगे अपना पैसा

**नई दिल्ली( एजेंसी )।** श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनधारक जनवरी से किसी भी बैंक या उसकी शाखा से पेंशन ले सकेंगे। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि मांडविया ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) 1995 के लिए एक केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वह ईपीएफओ के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के चेयरपर्सन भी हैं। केंद्रीकृत पेंशन भुगतान व्यवस्था से पूरे देश में किसी भी बैंक या किसी भी शाखा के माध्यम से पेंशन का वितरण हो सकेगा। मंत्री ने कहा, 'सीपीपीएस की मंजूरी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आधुनिकीकरण की दिशा में मील का पत्थर है। इसके तहत पेंशनधारक देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल लंबे समय से चली आ रही पेंशधारकों की समस्याओं का समाधान करेगी।' उन्होंने कहा कि यह ईपीएफओ को अपने सदस्यों और पेंशनधारकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए अधिक मजबूत, उत्तरदायी और तकनीक-सक्षम संगठन में बदलने के हमारे प्रयासों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली से ईपीएफओ के 78 लाख से अधिक ईपीएस-95 पेंशनधारकों को लाभ होने की उम्मीद है। केंद्रीकृत प्रणाली पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता के बिना पूरे देश में पेंशन का निर्बाध वितरण सुनिश्चित करेगी।

### सैमसंग 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' 2024 ने ग्रैण्डइ फिनाले के लिये 10 फाइनलिस्ट टीमों की घोषणा की

**गुरुग्राम:** सैमसंग इंडिया ने आज अपने प्रमुख सीएसआर प्रोग्राम 'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024 'की टॉप 10 टीमों की घोषणा की है। ये टीमें अब ग्रैंड फिनाले में अपने अनूठे आइडियाज को सैमसंग और उद्योग के प्रमुख लीडर्स की जूरी के सामने पेश करेंगी। इन टीमों का चयन देश के दूर-दराज के इलाकों से हुआ है, जैसे असम के गोलाघाट और कामरूप, राजस्थान के झालावाड़, कर्नाटक के उडुपी और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर। इससे इस प्रोग्राम की व्यापक क्षेत्रीय पहुँच का पता चलता है। ये फाइनलिस्ट्स एक कड़ी चयन प्रक्रिया से गुजरे, जिसमें सैमसंग जूरी के सामने कई राउंड्स में पिच प्रेजेंटेशन देना और सैमसंग फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एण्डी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफ्आईटीटी)] आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों से मार्गदर्शन पाना शामिल था। इन 20 टीमों को प्रोटोटाइप बनाने के लिए हर टीम को 20,000 रुपये का अनुदान दिया गया। इसके अलावा, यूथ ट्रैक की टीमों को सैमसंग गैलेक्सी लैपटॉप्स और स्कूल ट्रैक की टीमों को गैलेक्सी टैब्स मिले। इस प्रोग्राम के तीसरे संस्करण में छात्रों ने दो अहम विषयों पर अपने आइडियाज दिए - 'कम्युनिटी और समावेशन' और 'पर्यावरण और स्थिरता'। इन विषयों के तहत ज्यादातर आइडियाज उन समस्याओं का समाधान करने पर केंद्रित थे, जैसे वंचित समुदायों की शिक्षा तक पहुँच, आनुभविक शिक्षण में चुनौतियाँ,डिजिटल साक्षरता, जल संरक्षण, और आर्सेनिक प्रदूषण। टीमों ने 'इनोवेशन वॉक' में भी हिस्सा लिया, जो छात्रों की मेंटरिंग, विशेषज्ञ सत्रों और नए अवसरों के लिए आयोजित की गई थी। यह कार्यक्रम सैमसंग के बेंगलुरु और नोएडा के आर एंड डी सेंटर और गुरुग्राम के क्षेत्रीय मुख्यालय में हुआ। छात्रों ने ऐसे सत्रों में भाग लिया, जिनमें उन्हें उत्पाद विकास की प्रक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिलीं, जिससे उनके आइडियाज और बेहतर हुए। इसके बाद नेशनल पिच इवेंट हुआ, जहाँ से अंतिम 10 टीमों को चुना गया। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एसपी चुन ने कहा, हम इन 10 टीमों की यात्रा देखकर बहुत उत्साहित हैं। 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' प्रोग्राम ने इन छात्रों की रचनात्मकता और क्षमता को एक नई दिशा दी है।


**कार्यालय अधीक्षण अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)**

## ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

**(प्रथम आमंत्रण)**

**दिनांक 03.09.2024**

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा ''डी'' श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है. ऑनलाईन निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि 23.09.2024 है.

| एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) |
|---|---|---|
| NIT NO. 345 Tender No. 158237 | बलौदाबाजार अनुविभाग अंतर्गत पुल-पुलिया का विशेष मरम्मत कार्य | रु. 40.00 लाख |
| NIT NO. 346 Tender No. 158238 | भाटापारा अनुविभाग अंतर्ग शासकीय जी.एन.ए. कॉलेज भवन का मरम्मत कार्य. | रु. 21.00 लाख |
| NIT NO. 347 Tender No. 158239 | बिलाईगढ़ अनुविभाग अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों का रंगाई पोताई कार्य. | रु. 30.00 लाख |
| NIT NO. 348 Tender No. 158240 | कसडोल अनुविभाग अंतर्गत शासकीय गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत, डिस्टेंपरिंग एवं पेंटिंग कार्य. | रु. 21.00 लाख |
| NIT NO. 349 Tender No. 158241 | कसडोल अनुविभाग अंतर्गत शासकीय आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत, डिस्टेंपरिंग एवं पेंटिंग कार्य. | रु. 21.00 लाख |
| NIT NO. 350 Tender No. 158242 | कुरूद अनुविभाग अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं मरम्मत कार्य. (भाग-1) | रु. 70.00 लाख |
| NIT NO. 351 Tender No. 158243 | कुरूद अनुविभाग के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं मरम्मत कार्य. (भाग-2) | रु. 45.00 लाख |
| NIT NO. 352 Tender No. 158244 | कुरूद अनुविभाग के अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं मरम्मत कार्य. | रु. 45.00 लाख |
| NIT NO. 353 Tender No. 158245 | राजिम अनुविभाग के अंतर्गत उपखंड छुरा एवं पाण्डुका के विभिन्न मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. पेंच रिपेयर कार्य. | रु. 30.00 लाख |
| NIT NO. 354 Tender No. 158246 | राजिम अनुविभाग के अंतर्गत उपखंड राजिम एवं फिंगेश्वर के विभिन्न मुख्य जिला मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों में डब्ल्यू.एम. एम. पेंच रिपेयर कार्य. | रु. 30.00 लाख |
| NIT NO. 355 Tender No. 158247 | जिला बलौदाबाजार के कसडोल अनुविभाग अंतर्गत 50 सीटेड प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य. (शेष कार्य) | रु. 26.51 लाख |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है. (राशि रु. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र एवं न्यूनतम राशि रु. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र, बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें.)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा.

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि. रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

G-242502262/2

दैनिक
# विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 07 सितंबर 2024

## छत्तीसगढ़ में अब तक 948.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 948.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 06 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1993.7 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 504.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।



## दिगम्बर जैन संप्रदाय का महापर्व, पर्वराज पर्युषण 8 से 17 सितम्बर तक मनाया जायेगा

**रायपुर (विश्व परिवार)।** श्री नागपुर प्रांतीय दिगम्बर जैन खंडेलवाल सभा रायपुर के संयोजक जैन अरविन्द पहाड़िया सह संयोजक द्वय जैन प्रदीप पाटनी एवं जैन मनीष बाकलीवाल ने बताया कि दिगम्बर जैन समाज का सबसे अहम आत्म शुद्धि का महापर्व पर्वराज पर्युषण इस वर्ष भादो सुदी पंचमी 8सितम्बर से अनंत चतुर्दशी 17 सितम्बर तक मनाया जायेगा, उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होकर क्षमावाणी पर्व पर संपन्न होगा, इसे दशलक्षण पर्व भी कहा जाता है, दस दिनों तक क्रमशः दस धर्मों की आराधना की जाती है पूरे विश्व के दिगम्बर जैन धर्म के अनुयायी इस पर्व को बड़े ही उत्साह व आत्मीयता से मनाते है पर्व के प्रथम दिवस उत्तम क्षमा, द्वितीय दिवस उत्तम मार्दव तृतीय दिवस आर्जव, चतुर्थ दिवस उत्तम शौच, पांचवे दिवस उत्तम सत्य, छठवे दिवस उत्तम संयम, सातवें दिवस उत्तम तप, आठवें दिवस उत्तम त्याग, नोवें दिवस उत्तम अंकिचन व अंतिम दसवें दिवस उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा आराधना व विधान के द्वारा ये पर्व मनाया जाता है, मानव इन दस धर्म को अपने जीवन मे अपनाकर अपने जीवन का धार्मिक व सामाजिक रूप से कल्याण कर सकता है, इन दिनों मे सभी दिगम्बर जैन मंदिरों मे प्रातः से ही भक्तों का अम्बार लग जाता है, सर्वप्रथम श्रीजी को पाण्डुकशिला मे विराजमान कर श्रीजी का परिमार्जन अभिषेक, शांतिधारा, अर्घ समर्पण कर आरती की जाती है, इन दिनों मे दसलक्षण विधान की पूजा, आराधना की जाती है, सभी मंदिरों मे जँहा अगर मुनि संघ विराजमान हो वंहा जिनवाणी माता को विराजमान कर उनके द्वारा स्वाध्याय व प्रवचन किया जाता है।

मुनि संघ की उपलब्धि न होने पर अन्यत्र मंदिरों मे ब्रह्मचारी भैयाजी या विद्वान् या अन्य धार्मिक श्रावक द्वारा प्रवचन दिया जाता है, धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते है, समाज का हर वर्ग अपनी क्षमता व सामर्थ अनुसार उपवास, एकासना व अन्य व्रतों को धारण कर अपने जीवन मे संयम को अंगीकार कर अपने कर्मों की निर्जरा कर पुण्यार्जन करता है, जैन धर्म मे क्षमा का बहुत महत्त्व बताया है इसलिए उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होने वाला ये पर्व अश्विन कृष्ण एकम को क्षमावाणी पर्व पर सम्पन्न होता है, क्षमावाणी पर्व पर हर मंदिरों मे क्षमावाणी अभिषेक के पश्चात् क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है जिसके अंतर्गत संसार के समस्त जीवों से जाने अनजाने मे हुई त्रुटि की हृदय के अंतरंग से क्षमा मांगते भी है और अन्य से हमारे प्रति हुई त्रुटि को उन्हें क्षमा प्रदान भी करते है, जैन शास्त्रों मे ये कहा जाता है कि अगर हमारे द्वारा किसी से छै मास से ज्यादा अगर बैर भाव रखा जाता है तो बैरभाव कई जन्मों को प्रभावित करता है, अतः क्षमावाणी पर्व के माध्यम से एक दूसरे के हृदय की मलीनता दूर की जाती है, संयोजक जैन अरविन्द पहाड़िया ने सभी जैन श्रावक व श्राविकाओं को इस पर्व की बधाई देते हुए वीरप्रभु से प्रार्थना की समाज के सभी वर्ग इस महान पर्व पर अधिक से अधिक धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से धर्मलाभ लेकर अपने मानव जीवन का कल्याण कर सकें.

## एमएमआई नारायना हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने किया कमाल, 37 वर्षीय महिला को पेसमेकर लगाकर दिया जीवनदान

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राजधानी रायपुर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एमएमआई नारायना हॉस्पिटल ने एक बार फिर अपनी आधुनिक सुविधाओं के मदद से एक 37 वर्षीय महिला को नया जीवन दान। डॉक्टर्स ने सर्जेरी की जानकारी देते हुए बताया की महिला के मामले में पेसमेकर लगाना चुनौतीपूर्ण था क्योंकि उनके दिल के चैम्बर तक पहुंचना मुश्किल था। आम तौर पर, शरीर के ऊपरी हिस्से से गंदा खून लाने वाली रक्त वाहिकाओं (सबक्लेवियन वी- सुपीरियर वेना कावा सिस्टम) का उपयोग पेसमेकर लीड को पेश करने के लिए किया जाता है, जो दिल के दाईं तरफ से जुड़ा होता है। फिर पल्स जनरेटर को लीड से जोड़ा जाता है और छाती की दीवार में लगाया जाता है। लेकिन इस महिला के मामले में, सुपीरियर वेना कावा पल्मोनरी आर्टरी (फेफड़ों की रक्त वाहिका) से जुड़ा था। हमारे अस्पताल में डॉ. सुमनता शेखर पांधी (क्लिनिकल लीड - कार्डियोलॉजी विभाग) और डॉ. किंजल बख्शी (सीनियर बाल रोग विशेषज्ञ) के नेतृत्व में एक नवीन दृष्टिकोण के साथ दिल के दाईं तरफ के छोटे से हिस्से तक पहुंचने और सफलतापूर्वक पेसमेकर लगाने में सफल रहे। इस प्रक्रिया को पूरा करने में लगभग 5 घंटे लगे। प्रक्रिया के बाद उन्हें चौथे दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।अस्पताल के फैसिलिटी डायरेक्टर अजीत कुमार बेलमकोण्डा ने कार्डियोलॉजी विभाग को ऐसे जटिल प्रक्रिया की सफलता की अपार बधाई दी और प्रोत्साहना किया।

मिली जानकारी अनुसार एक 37 वर्षीय महिला को 10 साल पहले जन्मजात दिल की बीमारी (एबस्टीन एनोमली) के कारण एक जटिल सर्जरी (फॉन्टेन ऑपरेशन) से गुजरना पड़ा था। इस सर्जरी में उनके दिल को 4 चैम्बर वाले दिल से 2 चैम्बर वाले दिल में बदल दिया गया था, क्योंकि उनके दिल का दाहिने तरफ का हिस्सा काम नहीं कर रहा था।आमतौर पर गंदा खून दाईं तरफ के दिल में जाता है, लेकिन इस सर्जरी के बाद इसे सीधे फेफड़ों में भेजा जाता है (जैसे मछली के दिल में होता है)। फेफड़ों में साफ होने के बाद खून दिल के बाईं तरफ जाता है और फिर शरीर में पंप किया जाता है। हालांकि, सर्जरी के लगभग 8 साल बाद, उन्हें दिल की धड़कन में अनियमितता के कारण बेहोशी के दौरे आने लगे, जो इस तरह की सर्जरी के बाद लगभग 5त्न मामलों में होता है। अलग-अलग डॉक्टरों से परामर्श लेने के बाद, वे अगस्त 2024 में हमारे पास आए और हमारे बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. किंजल बख्शी द्वारा जांच की गई। जांच में पाया गया कि उन्हें सिक साइनस सिंड्रोम है, जिसमें दिल की धड़कन 20 धड़कन प्रति मिनट से 140 धड़कन प्रति मिनट तक घटती-बढ़ती थी। जिसके बाद एमएमआई नारायना हॉस्पिटल रायपुर में दिल की धड़कन को नियंत्रित करने के लिए उनको पेसमेकर लगाया गया।

## मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

**रायपुर (विश्व परिवार)।** मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में राज्य के विभिन्न जिलों के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राजमार्ग और खनिज तथा दूरसंचार से संबंधित परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। मुख्य सचिव ने सड़कों के निर्माण कार्यों सहित अन्य परियोजनाओं के लिए संबंध में भू-अर्जन, मुआवजा वितरण, वृक्षों की कटाई और वृक्षारोपण सहित अन्य कार्यों को शीघ्र करने के निर्देश संबंधित जिलें के कलेक्टर को दिए।

बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर-कोरबा और जांजगीर-चांपा जिले के अंतर्गत आने वाले बिलासपुर-उरगा मार्ग, रायपुर-दुर्ग फोर लाइन सहित अन्य कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। इसी तरह से रायपुर-विशाखापट्नम-भारतमाला परियोजना सहित अन्य सड़कों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने गेबरा पेंड्रा रोड, न्यू रेल परियोजना, तलाईपल्ली कोल परियोजना के कार्यों के सहित अन्य परियोजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और उन्होंने कहा कि कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण कराने सुनिश्चित करें।

वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती ऋचा शर्मा, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह आदि शामिल हुए।

## बस्तर के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं हो उपलब्ध : स्वास्थ्य मंत्री

**नवीन सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के निर्माण कार्य को दो माह में करें पूर्ण: जायसवाल**

### स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में स्वशासी समिति की बैठक

**रायपुर (विश्व परिवार)।** स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि बस्तर के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो। इस हेतु शासन हर आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराने को तत्पर है। उन्होंने नवीन सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के निर्माण कार्य को दो माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल के निर्माण कार्य हेतु दस करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति दी। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल की अध्यक्षता में स्व.श्री बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के काउन्सिल हॉल में स्वशासी समिति की बैठक आयोजित थी। मंत्री ने कहा कि अस्पताल में मरीजों की हेल्प डेस्क में हॉस्पिटालिटी मैनेजमेंट से संबंधित व्यक्तियों को रखे, अस्पताल की सुरक्षा में पूर्व सैनिक के नेतृत्व सिक्योरिटी की व्यवस्था हो, सीसीटीवी की व्यवस्था, आपातकाल के लिए हर कमरा में अलार्म की व्यवस्था, आधारभूत संरचना, मानव संसाधन के प्रस्ताव देने के निर्देश दिए।

स्वशासी समिति की बैठक में मानव संसाधन स्वीकृत सेटअप के आधार पर रिक्त पद, आवश्यक जांच-उपकरणों की कमी, एएमसी- सीएमसी हेतु आवश्यक अतिरिक्त बजट, नवीन सुपरस्पेशियल्टी अस्पताल डिमरापाल में मानव संसाधन की भर्ती एवं आवश्यक संसाधन बिन्दुओं पर चर्चा किया गया। इसके अलावा छात्र-छात्राओं की संख्या बढ़ने के पश्चात् हॉस्टल की क्षमता में वृद्धि करने, लेक्चर थियेटर, स्टॉफ क्वार्टर्स की आवश्यकता, बायो-मेडिकल वेस्ट के निपटान, युटिलिटी सेण्टर, कैन्टिन के निर्माण, छात्र-छात्राओं हेतु व्यायाम शाला, स्वशासी मद के आय-व्यय पर चर्चा किया गया। इसके अलावा चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय डिमरापाल जगदलपुर के अंतर्गत आवश्यक संसाधनों के विषय पर भी चर्चा किया गया। निरीक्षण के दौरान सांसद महेश कश्यप, विधायक किरण देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, एसीएस मनोज पिंगुआ, एनएचएम मिशन संचालक जगदीश सोनकर, कलेक्टर विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा उपस्थित थे।

## आंजनेय यूनिवर्सिटी दो दिवसीय वर्कशॉप फैशन नाउ एंड हाउ का समापन

**सफल होने के लिए पागलपन की जरूरत है: डिज़ाइनर और इंटरप्रेन्योर हर्ष गुप्ता**

### शिक्षण और प्रशिक्षण का उत्कृष्ट माहौल प्रदान करना हमारा लक्ष्य : चांसलर अभिषेक अग्रवाल

**रायपुर (विश्व परिवार)।** लखनऊ से मुंबई का सफर तय कर चुके डिज़ाइनर और इंटरप्रेन्योर हर्ष गुप्ता का मानना है कि डिज़ाइन के क्षेत्र में सफल होने के लिए पागलपन की आवश्यकता है, एक अच्छे बिज़नस के तौर पर फैशन इंडस्ट्री बेहतरीन क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि अपने डिज़ाइन किए गए कपड़े खुद पहन कर देखें।

**कॉपी मत कीजिए, अपनी पहचान बनाइए :** हर्ष का मानना है कि सफलता की कुंजी अपनी मौलिकता में है। उन्होंने कहा कॉपी मत कीजिए, अपनी पहचान बनाइए। हर्ष का कहना है कि किसी भी क्षेत्र में खुद की एक विशिष्ट पहचान बनाना जरूरी है, खुद की रचनात्मकता और दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने से ही असली पहचान और सफलता मिलती है, और यही उनकी सफलता का भी राज़ है।

**चांसलर श्री अभिषेक अग्रवाल :** चांसलर अभिषेक अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षण और प्रशिक्षण का ऐसा उत्कृष्ट माहौल प्रदान करना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इसके चलते विश्वविद्यालय देश दुनिया में अपनी पहचान बना चुके हस्तियों को विद्यार्थियों के बीच लेकर आते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय न केवल शैक्षणिक ज्ञान पर जोर देता है, बल्कि छात्रों के व्यक्तित्व, नेतृत्व कौशल और व्यावहारिक ज्ञान के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है।

**जेडी इंस्टिट्यूट और फैशन डिपार्टमेंट मिलकर दे रहे हैं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण :** जेडी इंस्टिट्यूट मुंबई और फैशन डिपार्टमेंट मिलकर विद्यार्थियों को उच्चस्तरीय फैशन डिज़ाइन का प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, नवीनतम फैशन ट्रेंड्स और उद्योग से जुड़े कौशलों में निपुण बनाना है। इंस्टिट्यूट विद्यार्थियों के भविष्य को एक नई दिशा देने और उन्हें फैशन इंडस्ट्री में सफल करियर बनाने में मदद कर रहा है।

समापन सत्र के दौरान प्रो चांसलर श्रीमती दिव्या अग्रवाल, महानिदेशक डॉ बी सी जैन, कुलपति डॉ. टी रामाराव सहित सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक मौजूद रहे। दो दिवसीय कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों, महाविद्यालयों से प्रतिभागी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

## दिगंबर जैन समाज के प्रतिष्ठित सदस्य विनोद बड़जात्या जी का जन्म दिवस सौहाद्रपूर्ण ढंग से धार्मिक वातावरण में मनाया गया

**रायपुर (विश्व परिवार)।** श्री दिगंबर जैन समाज के प्रतिष्ठित सदस्य विनोद जी बड़जात्या जी के जन्म दिवस के अवसर पर आज सकल जैन समाज द्वारा उनका जन्म दिवस सौहाद्रपूर्ण ढंग से धार्मिक वातावरण में श्री वासुपुज्य दिगंबर जैन मंदिर डी.डी.नगर में उपस्थित सभी जैन मंदिरों के अध्यक्ष एवं समाज जन ने मनाया। इस अवसर पर विनोद बड़जात्या जी को सम्मान तिलक लगा सम्मान किया गया। सकल जैन समाज के अध्यक्ष नरेश जैन सिंघई ने विनोद बड़जात्या जी के लिए कहा की जीवन में जीत हासिल करना, संघर्ष के साथ आगे बढ़ना, मुसीबतों में हार न मानना, सच के साथ चलना, हमेशा धर्म के मार्ग में चलना आप ने सिखाया है।आप ने आचार्य भगवन विद्यासागर महाराज जी के प्रति सच्ची निष्ठा रख कर पूरे तन मन धन से अपना समय दिया है आप के इस योगदान इतिहास सदियों तक याद रखेगा। सही क्या है गलत क्या है ये सबक पढ़ाते हैं। झूठ क्या है और सच क्या है। ये बात समझाते हैं। जब सूझता नहीं कुछ भी हमको, तब आप हमारी मुश्किल राहों को आप सरल बनाते हैं। ऐसे धर्मपरायण देव शास्त्र गुरु के दिखाए मार्ग पर चलने वाले और सारे समाज को चलाने वाले हमारे आदरणीय विनोद बड़जात्या जी को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

## दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन व रायपुर ग्रुप द्वारा शिक्षकों को किया गया सम्मानित

**रायपुर (विश्व परिवार)।** दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन व श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रायपुर द्वारा श्रद्धेय श्री प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार दिनांक 4 सितंबर को शासकीय प्राथमिक शाला साकरा विकासखंड पाटन जिला दुर्ग में शिक्षकों व बच्चों का सम्मान किया गया सभी शिक्षकों का सम्मान श्रीफल, सर्टिफिकेट व गिफ्ट देकर किया गया। इनमे शासकीय प्राथमिक शाला सांकरा, विकासखंड पाटन जिला दुर्ग के श्री हरिराम ठाकुर (प्रधान पाठक),श्रीमती मंजु जैन,श्रीमती रूपा कौशल, श्री कुंजलाल वर्मा, श्रीमती शैलजा वर्मा, श्रीमती ममता वर्मा, श्रीमती शुभाषनी चंद्राकर आदि शिक्षक शामिल हैं साथ ही विद्यालय के छह विशेष बच्चों को पुरुस्कार वितरित कर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के रीजन अध्यक्ष अतुल- मीता जैन, रीजन सचिव यशवंत-जया जैन, रायपुर अध्यक्ष प्रवीण- अमिता जैन संघी, उपाध्यक्ष नरेंद्र- रश्मि जैन, संरक्षक पदम-आशा गंगवाल, डॉक्टर विशाल-तृप्ति जैन मौजूद रहे।

## शुभारंभ फाउंडेशन, लाहोटी मित्र मंडल एवं ब्रह्मा राष्ट्र संघटन के तीनों संस्था द्वारा मनाया गया टीचर डे

### वृंदावन हॉल में आयोजित कार्यक्रम की अतिथि रही श्रीमती साधना उपाध्याय, श्रीमती प्रीति सतपथी एवं श्रीमती रश्मि सूर्णाकार

**रायपुर (विश्व परिवार)।** वृंदावन हॉल में उन टीचरों का सम्मान किया गया जो कि अपने-अपने क्षेत्र में अच्छे कार्य कर रहे हैं एवं उन बच्चों को हारमोनियम बजाना सिखा रहे हैं सेवाएं दे रहे हैं जो बच्चे आंख से देखा नहीं सकते उनको संगीत सीख रहे हैं जो बच्चे चल नहीं सकते उनको बैठकर डांस सिखा रहे हैं एवं जो बच्चे सुन नहीं सकते उन्हें भी संगीत के माध्यम से बात करते हुए आर्मी ऐसे 31 टीचरों का सम्मान किया गया तीनों संस्था द्वारा इसमें तीनों संस्था के अध्यक्ष शामिल होकर इन टीचरों का सम्मान किया गया शुभारंभ फाउंडेशन से अध्यक्ष सीमा कटनकार ब्रह्म राष्ट्र संगठन कि अध्यक्ष अन्नपूर्णा शर्मा जी एवं सहयोग में लाहोटी मित्र मंडल द्वारा लक्ष्मी नारायण लाहोटी जी तीनों संस्था के अध्यक्ष मंच संचालन अरूणा यादव, समता जी, सुषमा जी, साधना जी, यश पटेल, छबिलाल जी, ठाकुर जी, शिला प्रजापति जी, एवं तीनों संस्था के सभी मेंबर्स शामिल होकर इस प्रोग्राम को सफल बनाएं।

## श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

### छत्तीसगढ़ के सभी कैंपस में शिक्षकों को सम्मानित किया गया

**रायपुर (विश्व परिवार)।** श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में 05 सितम्बर भारत के महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की परम्परा जो चली आ रही इसको निरंतर बनाये रखते हुए, इस दिवस के उपलक्ष्य में मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग कुम्हारी, बिलासा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, बिलासपुर व श्री रावतपुरा सरकार इंटरनेशनल स्कूल कुम्हारी में श्री रावतपुरा सरकार के चेयरमैन 'रविशंकर महाराज श्री' के आशीर्वाद के साथ हर्षोल्लास के साथ विद्यार्थियों द्वारा शिक्षको के सम्मान में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत विशेष अतिथियों द्वारा सरस्वती माँ की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवन करते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए किया गया। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने सभी शिक्षकों के सम्मान में अभिनंदन गीत का गायन किया एवं भेंट स्वरूप उपहार प्रदान किया। तत्पश्चात् विशेष कैंपस डायरेक्टर व कैंपस निदेशक की उपस्थिति में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सम्बोधित करते हुए सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी गयीं। इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए सभी शिक्षकों को अच्छे चरित्र व व्यवहार सिखाने हेतु प्रेरित किया गया। छात्रों को शिक्षकों से अच्छे आचरण व व्यवहार को ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया गया। जिससे कि समाज में सम्मान प्राप्त हो सके व अच्छा वातावरण व माहौल का निर्माण किया जा सके।

क्विज का आयोजन किया गया शिक्षक दिवस पर खुशी के माहोल को और अधिक दिलचस्प बनाने के लिए क्विज कम्पटीशन व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इसके दौरान विद्यार्थियों द्वारा सभी शिक्षको का सम्मान किया गया व केक भी काटा गया। साथ ही जलपान की व्यवस्था भी की गयी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354